RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 89 ● भिलाई, बुधवार 08 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल जगत का अजूबा! 4 साल के बच्चे की नाक में उग आया दांत

गोरखपुर। डॉक्टरों को क्यों भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है, इसका एक बेहतरीन उदाहरण उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में देखने को मिला है। यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल ऑपरेशन कर चार वर्षीय मासूम की नाक के अंदर से दांत निकालकर उसे नई जिंदगी दी है। बच्चा पिछले छह महीने से असहनीय दर्द से तड़प रहा था और उसे सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी। पूर्वांचल में अपनी तरह का यह पहला सफल ऑपरेशन है। गोरखपुर के चौरीचौरा निवासी चार साल के बच्चे को पिछले छह महीने से जबड़े और नाक के पास असहनीय दर्द हो रहा था। परेशान परिजन उसे कई निजी अस्पतालों में ले गए, लेकिन उसकी तकलीफ बढ़ती ही गई। अंत में वे एम्स के दंत रोग विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. शैलेश कुमार के पास पहुंचे। डॉ. शैलेश ने जब बच्चे की विस्तृत जांच और स्कैन कराया तो वे भी हैरान रह गए।

बंगाल के घर-घर व दुर्गा मंडपों में हुई कोजागरी लक्ष्मी पूजा

कोलकाता। पूरे देश में खासकर बंगाल में कोजागरी लक्ष्मी पूजा का खास महत्व है। आज शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर कोलकाता समेत पूरे प्रदेश में भक्ति का माहौल रहा। घर-घर कोजागरी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना हुई। वहीं राज्य सहित महानगर कोलकाता के तमाम दुर्गा पूजा मंडपों में कोजागरी लक्ष्मी पूजा की गई। मटियाबुर्ज विधानसभा के टीजी रोड स्थित वार्ड 1 में बेलपुकुर युवक संघ के दुर्गा पूजा मंडप में भी लक्ष्मी पूजा हुई। खबर के लिखे जाने तक सोलह कलाओं से पूर्ण चन्द्रमा की भी पूजा की तैयारी चल रही थी। चांद को दूध,पानी फल, नारियल, रेवड़ियां चढ़ाई गई तो मां लक्ष्मी भी धन्य-धान्य से पूजित हुई। उत्साह व उमंग और श्रद्धा-भक्ति के बीच कोजागरी लक्ष्मी की पूजा की गई। बात करने पर महिलाओं ने कहा कि राज्य के प्राय सभी घरों में इस दिन धन की देवी का आह्वान करने के साथ ही भव्य व पारम्परिक तरीके से श्रृंगार किया गया। कहीं मिट्टी की प्रतिमा तो कहीं पर एक ही मिट्टी की थाल पर देवी की पूजा की गई।

अयोध्या को 2028 में मिलेगा रिंग रोड का तोहफा, निर्माण शुरू

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक नगरी अयोध्या को जल्द ही एक बड़ा उपहार मिलने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उस उपहार की नींव भी रखा दी है। यह उपहार कुछ और नहीं बल्कि बहुप्रतिष्ठित रिंग रोड है। परियोजना पर कार्य शुरू हो गया है। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो लक्ष्य है की 2028 तक इस पर सरपट वाहन दौड़ेंगे। यह परियोजना न केवल अयोध्या की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, बल्कि पर्यटन और आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।

मोदी कैबिनेट के बड़े फैसले

रेलवे के 4 मेगा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी-केंद्रीयमंत्री अश्विनी

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने आज की कैबिनेट बैठक में रेलवे क्षेत्र से जुड़े कई अहम फैसलों को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी त्योहारों दिवाली और छठ के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए 12,000 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे भीड़भाड़ कम होगी और ट्रैवल आसान होगा। इसके साथ ही रेलवे के चार बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, जिनसे देश के रेल नेटवर्क को मजबूती मिलेगी और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। चारों परियोजनाओं की कुल लागत 24,634 करोड़ रुपए होगी। भुसावल-वर्धा रेल प्रोजेक्ट के लिए ?9,197 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। यह प्रोजेक्ट मध्य भारत में माल और यात्री परिवहन को आसान बनाएगा। यह 314 किमी. की होगी। गोंदिया-डोंगरगढ़ सेक्शन के चौथे ट्रैक को भी हरी झंडी दी गई है, जिसमें करीब ?223 करोड़ का निवेश किया जाएगा। यह 84 किमी. की होगी। इटारसी-भोपाल-बीना सेक्शन में चौथी रेल लाइन बिछाने की योजना को भी मंजूरी मिली है, जिससे रेल यातायात में तेजी आएगी। यह 237 किमी. की होगी। प्रस्तावित योजनाओं में 57 बड़े और 216 छोटे पुलों का निर्माण भी शामिल है, जो रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करेंगे। बड़ोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन 259 किमीं की होगी, जो मध्यप्रदेश और गुजरात को जोड़ेगी। इन परियोजनाओं से न केवल रेल यात्रियों को लाभ मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। पीएम

मोदी के तीसरे कार्यकाल में सिर्फ रेलवे सेक्टर में अब तक डेढ़ लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है. वहीं कुल मिलाकर देशभर में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी मिल चुकी है. रेल मंत्री ने बताया कि इस साल दीपावली और छठ पर्व पर 12 हजार ट्रेनें चलाई जाएंगी, ताकि ट्रैफिक लोड संभाला जा सके. उन्होंने कहा, 'ये सिर्फ इसलिए मुमकिन हुआ क्योंकि पिछले कुछ सालों में रेलवे की कैपेसिटी बिल्डिंग पर बड़े पैमाने पर काम हुआ है. अब सवाल उठता है कि सरकार ने इन्हीं चार रूट्स को क्यों चुना? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसके पीछे की वजह को समझाते हुए बताया कि ये चारों प्रोजेक्ट देश के उन सात सबसे व्यस्ततम रेलवे रूट्स का हिस्सा हैं, जिन पर सबसे ज्यादा दबाव रहता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि देश का 41 प्रतिशत माल यानी कार्गो और 41 प्रतिशत यात्री ट्रैफिक इन्हीं रास्तों से होकर गुजरता है. इन रूट्स पर क्षमता से कहीं ज्यादा ट्रेनें चलने के कारण अक्सर ट्रेनें लेट होती हैं।और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है. इन लाइनों के चौड़ीकरण के बाद न केवल पैसेंजर ट्रेनों को समय पर चलाना संभव होगा, बल्कि मालगाड़ियों के लिए भी एक डेडिकेटेड कॉरिडोर तैयार हो जाएगा. इससे उद्योगों तक कच्चा माल पहुंचाना और तैयार माल को बंदरगाहों तक भेजना बहुत तेज और आसान हो जाएगा. इन प्रोजेक्ट्स का पूरा होना भारतीय रेलवे के लिए एक नए युग की शुरुआत जैसा होगा.

रेलवे में अब तक 1.5 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर.....

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में सिर्फ रेलवे सेक्टर में अब तक डेढ़ लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है. वहीं कुल मिलाकर देशभर में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी मिल चुकी है. रेल मंत्री ने बताया कि इस साल दीपावली और छठ पर्व पर 12 हजार ट्रेनें चलाई जाएंगी, ताकि ट्रैफिक लोड संभाला जा सके. उन्होंने कहा, 'ये सिर्फ इसलिए मुमकिन हुआ क्योंकि पिछले कुछ सालों में रेलवे की कैपेसिटी बिल्डिंग पर बड़े पैमाने पर काम हुआ है.

किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रहा

भाजपा सरकार में किसान ठगा और उपेक्षित हो रहे...

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसान पूरी तरह उपेक्षा और शोषण का शिकार है। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से न तो किसानों को समय से खाद और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, और न ही उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल पा रहा है। बढ़ती महंगाई के कारण खेती की लागत दोगुनी हो गई है, लेकिन किसानों की फसलों का दाम लगातार घट रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को धान और अन्य फसलों के लिए डीएपी, यूरिया जैसी जरूरी खाद समय पर

उपलब्ध नहीं करा पाई। किसानों को खाद के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ा, कई स्थानों पर लाठीचार्ज हुए, किसानों की तबीयत बिगड़ी और कुछ की तो जान तक चली गई, परंतु संवेदनहीन भाजपा सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

ओडिशा के मुख्यमंत्री, मोहन चरण माझी,नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात करते हुए।

आपदा प्रभावित इलाकों में दौरा

संयत रहें और किसी के बहकावे में नहीं आएं....

जलपाईगुड़। सीएम ममता बनर्जी उत्तर बंगाल के आपदा प्रभावित इलाकों के दौरे पर हैं। उन्होंने आपदा में जान गंवाने वाले 23 लोगों के परिवारों को मुआवजे के रूप में 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही मृतक परिवार के एक सदस्य को होमगार्ड की नौकरी देने का ऐलान किया। वहीं सीएम ममता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष जैसे नेताओं पर हुए हमले के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने आज दोपहर उत्तर बंगाल पहुंचकर नागराकाटा और जलपाईगुड़ी

ज़िलों में स्थिति का जायजा लिया और संयम व एकता का संदेश दिया। उनके शब्दों में, इस समय कोई अप्रिय घटना वांछनीय नहीं है। सीएम ममता ने कहा कि, संयत रहें और किसी के बहकावें में नहीं आएं।

विमानन मंत्री नायडू का बयान

एयर इंडिया विमान हादसे की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं हुई...राममोहन

नई दिल्ली/ एजेंसी

विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। मंत्री का यह बयान तब आया है, जब कुछ लोग विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर सवाल उठा रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह जानने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ था, सभी को एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। विमानन मंत्री ने कहा, जांच में कोई हेराफेरी या कोई गड़बड़ी

नहीं हो रही है। यह एक बहुत ही साफ-सुथरी और गहन प्रक्रिया है, जिसे हम नियमों के मुताबिक कर रहे हैं। नायडू राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, अंतिम रिपोर्ट आने में अभी कुछ समय लगेगा। एएआईबी इस पर बहुत ही पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से जांच कर रहा है। हम उन पर कोई दबाव नहीं डालना चाहते कि वह जल्दबाजी में कोई रिपोर्ट तैयार करें। इसलिए इस रिपोर्ट को पूरा करने में जितना जरूरी समय लगेगा, वह उतना समय लेंगे। चार अक्तूबर को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही। उड़ान एआई-117 में रेंडम एल्कोहल टेस्टिंग (आरएटी) की तैनाती को लेकर विमानन मंत्री ने कहा, जब भी इस तरह की कोई घटना होती है, तो हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि इसकी जड़ में क्या समस्या है। जब हमें असली कारण का पता चल जाएगा।

भगवान परशुराम का जीवन ज्ञान, साहस और मर्यादा का अद्भुत संगम है: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि भगवान परशुराम जी का जीवन ज्ञान, साहस और मर्यादा का अद्भुत संगम है। उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि धर्म का सार केवल आचरण में नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी है। मुख्यमंत्री ने यह विचार आज अंतरराज्यीय ब्राह्मण सम्मेलन में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम पीतमपुरा स्थित वेस्ट एन्क्लेव में श्री मैथिली ब्राह्मण सभा, दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री के अनुसार ब्राह्मण समाज ने सदैव ज्ञान, संस्कृति और धर्म के माध्यम से समाज को दिशा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य हर वर्ग के लोगों को समान अवसर और सभी समुदायों के योगदान को सम्मान के साथ स्वीकार करना है।

रणनीतिक दूरदर्शिता का प्रदर्शन किया

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों ने एकजुटता- द्रौपदी मुर्मू...

नयी दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि देश के सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एकजुटता और रणनीतिक दूरदिशता की ताकत का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त किया गया. पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान के नियंत्रण वाले इलाकों में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया. इस हमले के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें

हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुई. यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 65वें पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि बदलते भू-राजनीतिक माहौल और सुरक्षा संदर्भ गतिशील प्रतिक्रियाओं की मांग करते हैं. उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल के रूप में परिर्वितत करने में लगा हुआ है, जो बहु-क्षेत्रीय एकीकृत अभियान में सक्षम हो. राष्ट्रपति ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सशस्त्र बलों ने एकजुटता और रणनीतिक दूरदिशता की ताकत का प्रदर्शन किया. सेना के तीनो अंगों की बेहतर प्रतिक्रिया के परिणाम स्वरूप प्रभावी तालमेल स्थापित हुआ. मुर्मू ने सशस्त्र बलों के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, नियंत्रण रेखा के पार और सीमा पार के क्षेत्रों में अंदर तक आतंकी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के सफल अभियान के पीछे यही तालमेल था.

मीडिया देश का चौथा स्तंभ है जो लोकतंत्र में प्रहरी की जिम्मेदारी निभाता है.. कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र

- **दैनिक अखबार लोकतंत्र प्रहरी के प्रकाशन पर शुभकामनाएं**
- **एस.आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन संजय तिवारी द्वारा मंत्री का सम्मान**

दुर्ग/ संवाददाता

मीडिया देश का चौथा स्तंभ है.जो लोकतंत्र में आमजन के बीच प्रहरी का कार्य करता है। ऐसे लोकतंत्र प्रहरी मीडिया को मैं शुभकामनाएं देता हूं।

ऐसा कहना था, कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव का उन्होंने मंगलवार को गंजपारा स्थित विधायक कार्यालय में मीडिया दैनिक अखबार 'लोकतंत्र

प्रहरी'के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,प्रेस मीडिया देश का चौथा स्तंभ है।

जो निडरता से निष्पक्ष होकर अपनी पूरी जिम्मेदारी के साथ जनमानस के बीच सेतु का कार्य करता है।ऐसे मीडिया जगत में नए अखबार 'दैनिक लोकतंत्र प्रहरी' के प्रवेश पर मैं इनकी उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं और शुभकामनाएं देता हूं जो मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी को उठाए हैं।यह निरंतर तरक्की करें और निष्पक्ष होकर समाज में दर्पण के रूप में कार्य करें।

आपको बता दें,यह समस्त बातें उन्होंने लोकतंत्र प्रहरी की ओर सम्मान कार्यक्रम में कही।इसके पूर्व दैनिक अखबार लोकतंत्र प्रहरी मीडिया प्रोडक्शन के संपादक एवं एस.आर.हॉस्पिटल× रिसर्च सेंटर एवं एस.आर.पैरामेडिकल कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ विधायक कार्यालय पहुंचे और गुलदस्ता भेंटकर स्मृति चिन्ह देकर कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव का स्वागत सम्मान किया.इस दौरान मंत्री ने लोकतंत्र प्रहरी की टीम को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

इस अवसर पर लोकतंत्र प्रहरी की टीम संजय दुबे एडिटोरियल प्रभारी, वीडियो एडिटर अभिषेक सिंह,हरीश कुमार चौधरी सहित नाहीद शेख उपस्थित थे।

CMYK

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 9 अक्टूबर को बेमेतरा आगमन

विधायक दीपेश साहू ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

बेमेतरा। आगामी 9 अक्टूबर को बेमेतरा नगर में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगमन को लेकर तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसी क्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम स्थल बेसिक स्कूल मैदान पहुँचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक साहू ने अधिकारियों के साथ मुख्य मंच निर्माण, हितग्राही दीर्घा, पत्रकार दीर्घा, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेटिंग, वीआईपी बैठक और विभागीय स्टॉल की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।
उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाए, ताकि मुख्यमंत्री के आगमन का अनुभव जनसामान्य के लिए अविस्मरणीय बने। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में जिले में जनकल्याण और विकास कार्यों की गति तेज हुई है। यह कार्यक्रम बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की एक नई दिशा तय करेगा। सभी नागरिकों से आग्रह है कि इस ऐतिहासिक अवसर में उत्साहपूर्वक भाग लें। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा।
साथ ही बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में पूर्ण हुए विकास कार्यों का लोकार्पण एवं नवीन कार्यों का भूमिपूजन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय कार्यक्रम स्थल पर हितग्राहियों से सीधे संवाद कर योजनाओं के प्रभाव का अनुभव भी साझा करेंगे। पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा शहर मण्डल अध्यक्ष युगल देवांगन भाजपा नेता हर्षवर्धन तिवारी महेश साहू डॉ नरेश साहू राजीव तम्बोली सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कस्तूरबा विद्यालय बेमेतरा की छात्रा जागेश्वरी ठाकुर ने मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन में दर्ज किया अपना नाम

जागेश्वरी ठाकुर भारतीय मार्सल आर्ट खेल में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड पदक जीतने वाली कस्तूरबा की पहली छात्रा बनी

बेमेतरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उददेश्य है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों के लिए समान रूप से गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करना। इसी दृष्टिकोण को साकार करने में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय अहम भूमिका निभा रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा की छात्रा जागेश्वरी ठाकुर का जीवन साहस और सकारात्मक बदलाव की मिसाल है। छोटे से गांव सूरजपुरा विकासखंड बेरला जिला बेमेतरा से राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने का सफर संघर्षपूर्ण रहा। इसमें मुख्य भूमिका कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बेमेतरा की रही। जिसने ग्रामीण तथा पिछड़े क्षेत्रों की प्रतिभाओं को समझकर निखारने का कार्य किया। यहां शिक्षा के अलावा व्यावसायिक शिक्षा जैसे कराटे, खेल, नृत्य, सिलाई, क्राफ्ट के कार्यों का प्रशिक्षण जागेश्वरी जैसे बच्चियों के लिए वरदान साबित हुआ। पिछड़े और परिस्थिति को चुनौती देते हुए जागेश्वरी ठाकुर ने गतका खेल को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया और संकुचित सोच को विस्तार देते हुए शाला के समस्त नियमों, अनुशासन का पालन करते हुए नियमित अभ्यास और लगन से अपना खेल तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार में अपना नाम दर्ज करने वाली दूसरी छात्रा बन गई है। जागेश्वरी ठाकुर की सफलता की कहानी पर डाक्यूमेंट्री फिल्म खेल एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बनाया गया है। जो अवश्य ही ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों के लिए मिशाल बन उन्हें प्रेरणा देती रहेंगी। राष्ट्रीय स्तर पर मार्शल आर्ट में स्वर्ण पदक जीतकर जागेश्वरी ठाकुर ने साबित किया की मेहनत और लगन से हर सपना साकार किया जा सकता है। शिक्षकों के मार्गदर्शन से वह अनगिनत छात्राओं के लिए प्रेरणा और सफलता की मिसाल बन चुकी है। उसकी इस सफलता की कहानी पर शॉर्ट डॉक्युमेंट्री फिल्म खेल एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बनाया गया है। जिससे देश की अन्य बेटियां पिछड़े तथा ग्रामीण परिवेश से संघर्ष कर आगे बढ़े उनके लिए की कहानी प्रेरणादायक बन उनके हौसलों को नई उड़ान अवश्य प्रदान करेगी। जागेश्वरी ठाकुर भारतीय मार्सल आर्ट खेल में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड पदक जीतने वाली कस्तूरबा की पहली छात्रा बनी साथ ही उनके जीवन पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म बनी ऐसी कस्तूरबा की द्वितीय बालिका में अपना नाम दर्ज किया। जागेश्वरी ठाकुर ने शाला परिवार, अपने गांव, बेमेतरा जिले तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश को अपने इस कार्य से गौरवान्वित किया है। इस सफलता के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा की अधीक्षिका भारती घृतलहरे, शिक्षिकाएं ममता गुरुपंच, राजकिरण मिश्रा, गायत्री साहू, विजयलक्ष्मी परगनिहा, दीप्ति, सावित्री, नेहा वर्मा समस्त शाला परिवार ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

एम्बुलेंस बनी जन्मस्थली : ईएमटी की सूझबूझ से 108 संजीवनी एक्सप्रेस में गूंजी किलकारी

बेमेतरा। जिला बेमेतरा में 108 संजीवनी एक्सप्रेस टीम की तत्परता और सूझबूझ ने एक बार फिर मानवता और सेवा भावना की मिसाल पेश की है। बेरला विकासखंड के ग्राम ढाबा निवासी गर्भवती महिला हेमवती निषाद (26 वर्ष) पत्नी विकास निषाद को अचानक तेज प्रसव पीड़ा हुई। परिजनों ने घबराहट की स्थिति में रात लगभग 10:30 बजे 108 संजीवनी एक्सप्रेस को कॉल किया। सूचना मिलते ही पायलट भूपेन्द्र कुर्रे और ईएमटी रामगोपाल देवांगन तत्काल एम्बुलेंस लेकर गांव ढाबा पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए गर्भवती महिला को सावधानीपूर्वक एम्बुलेंस में बैठाया गया और टीम तेजी से पीएचसी गुधेली की ओर रवाना हुई। रास्ते में कुछ ही दूरी तय करने के बाद हेमवती की प्रसव पीड़ा असहनीय रूप से बढ़ गई। स्थिति की नजाकत को भांपते हुए ईएमटी रामगोपाल देवांगन ने तत्काल ईआरसीपी के माध्यम से ड्यूटी डॉक्टर से संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। डॉक्टर की सलाह और परिजनों की सहमति से एम्बुलेंस को सुरक्षित स्थान पर रोका गया और प्रसव प्रक्रिया प्रारंभ की गई। ईएमटी रामगोपाल ने अपने अनुभव और शांतचित्त निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए सफलतापूर्वक प्रसव कराया। कुछ ही क्षणों बाद एम्बुलेंस में नवजात बच्ची की किलकारी गूंज उठी, जिससे पूरे वातावरण में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रसव के पश्चात मां और बेटी दोनों को सुरक्षित रूप से पीएचसी गुधेली में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की स्थिति स्वस्थ बताई गई है। परिजनों ने 108 संजीवनी टीम के त्वरित कार्य, मानवीय संवेदना और समर्पण के लिए हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की

राजस्व अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की विशेष बैठक लेकर जिले के तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समय सीमा से बाहर लंबित मामलों का समाधान अविलंब किया जाए और किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक में अपर कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, अनुविभागीय अधिकारी संदीप ठाकुर, सागर सिंह, चेतन साहू, डिप्टी कलेक्टर आर.बी. देवांगन, सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार बैठक में उपस्थित रहे। कलेक्टर वर्मा ने जिले में राजस्व प्रकरणों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि विभिन्न तहसीलों में कुल दर्ज प्रकरणों में चालू माह में 276 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से पांच वर्ष से अधिक पुराने प्रकरणों का शीघ्र निपटान, तीन से पांच वर्ष पुराने प्रकरणों का तीन दिवस के भीतर निराकरण तथा एक से तीन वर्ष पुराने 435 प्रकरणों का निपटान करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि प्रकरणों की समयबद्ध समीक्षा और निराकरण जिले की शासन प्रणाली की पारदर्शिता और सुदृढ़ता सुनिश्चित करता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी स्पष्ट किया कि लंबित मामलों में किसी प्रकार की अनदेखी या विलंब शासन के दृष्टिकोण और जनता की सुविधा के खिलाफ होगा। कलेक्टर वर्मा ने सभी अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध तरीके से किया जाए, ताकि जिले के नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सुचारू रूप से मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि जनता से जुड़े मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरती जाए और प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मामलों की नियमित समीक्षा की जाए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि अविवादित नामांतरण, अविवादित खाता विभाजन, त्रुटि सुधार के प्रकरणों में अनावश्यक देरी न की जाए और तय समय सीमा के भीतर मामलों को सुलझाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी स्पष्ट किया कि विवादित प्रकरणों के लिए पूर्व में निर्धारित समय सीमा का सख्ती से पालन हो और इनके समाधान में गंभीरता बरती जाए। कलेक्टर ने बैठक के दौरान अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने और नागरिकों को त्वरित सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझे और अपने क्षेत्र के प्रकरणों को गंभीरता से लेकर शीघ्र निपटान करें। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि नामांकन, सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण, किसान किताब, आय, जाति तथा निवास प्रमाण पत्र जैसे राजस्व प्रकरणों का निराकरण समयबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है। जिन तहसीलों की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, उन्हें विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है।

ओडिशा फॉरेस्ट रेंजर्स प्रशिक्षुओं का कवर्धा अध्ययन भ्रमण

शहद प्रसंस्करण व वन्यजीव संरक्षण के मॉडल से प्रभावित हुए अधिकारी

कवर्धा। वन प्रबंधन और आजीविका आधारित नवाचारों के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगातार उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इसी कड़ी में ओडिशा फॉरेस्ट रेंजर्स कॉलेज, अंगुल के 40 प्रशिक्षु अधिकारी वनमंडल कवर्धा के अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे, जहां उन्होंने बोड़ला स्थित शहद प्रसंस्करण केंद्र का अवलोकन किया। डीसीएफ अमूल्य कुमार परिडा के नेतृत्व में पहुंचे प्रशिक्षुओं को वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल, उपवनमंडलाधिकारी अभिनव केसरवानी तथा वन परिक्षेत्राधिकारी आकाश यादव, गजेंद्र कुमार और विक्रांत सिंह कंवर ने शहद प्रसंस्करण की तकनीकी प्रक्रिया, उत्पादन से विपणन तक की श्रृंखला और वन्यजीव गलियारे की अवधारणा पर विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शहद प्रसंस्करण केंद्र जैसे उपक्रम स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह मॉडल सतत वन प्रबंधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। प्रशिक्षुओं ने केंद्र की कार्यप्रणाली और स्थानीय वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन को सराहते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के ये प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से प्रेरणादायक हैं, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करते हैं।

मां बाप के सपनों का निर्वहन पुरी तन्मयता और उत्साह के साथ करें : घृतलहरे

डाइट बेमेतरा में डीएलएड प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारंभ

बेमेतरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट बेमेतरा में प्रथम वर्ष में प्रवेशित नव छात्र अध्यापकों की कक्षाएं प्रारम्भ हो गई। नव प्रवेशित छात्राध्यापकों का स्नेहिल स्वागत करते हुए डाइट के सभी अकादमिक सदस्यों ने अपनी बातें रखते हुए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डाइट बेमेतरा के प्राचार्य जे के घृतलहरे ने कहा कि यह एक प्रशिक्षण संस्थान है, यहां प्रेरणा लेकर स्वयं सीखना पड़ता है। स्वयं भी प्रेरित होते हैं और दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। यहां अध्ययन और अध्यापन दोनों का कार्य होता है। एक विजन और लक्ष्य लेकर के आप सबको आगे बढ़ना है। अपने मां बाप के सपनों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, तन्मयता और उत्साह के साथ करना है। आप सब भविष्य के शिक्षक हैं। आप छात्र भी है और शिक्षक भी है और आपको शिक्षक के बहुत सारे गुणों को ग्रहण करना है। अपने कार्य और व्यवहार को ऐसा बना करके रखें कि लोग आपको डाइट बेमेतरा के नाम से जाने। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कार्य और उसके व्यवहार से ही होती है। आपके कार्य और व्यवहार से ही लोग आपको याद रखते हैं जीवन में बेहतर से बेहतर की तलाश कर अपने भविष्य को, अपने कैरियर को उज्जवल बनावे। आपको जिंदगी के हर मोड़ में शिक्षक मिलेंगे, आपको उनके अच्छे विचारों को, गुणों को ग्रहण कर आगे बढ़ना है। डीएलएड प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्राध्यापकों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए डाइट की व्याख्याता उषा किरण पाण्डेय ने कहा कि आपके सीनियर छात्र अध्यापक आपके लिए आदर्श हैं। संस्थान के सभी शिक्षक आपके आदर्श हैं, उनकी अच्छी बातों को अपने जीवन में उतरने का प्रयास करें और अपना भविष्य उज्जवल बनावे। सभी नवप्रवेशित छात्र अध्यापकों को संबोधित करते हुए पीएसटीई प्रभारी व व्याख्याता अनिल कुमार सोनी ने छात्राध्यापकों के कर्तव्य और अनुशासन के बारे में बहुत सी जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि सभी छात्र अध्यापकों को प्रतिदिन समय पर संस्थान आना है और पूरे समय तक रुकना है। कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना है जिससे संस्थान की छवि खराब हो। सभी छात्राध्यापकों को महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। नवप्रवेशी छात्राध्यापकों को संस्थान के व्याख्याता जी एल खुटियारे, थलज कुमार साहू, यमुना जांगड़े, कीर्ति घृतलहरे, और श्रद्धा तिवारी ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व नव प्रवेशित सभी छात्राध्यापकों ने अपना संक्षिप्त परिचय भी दिया। इस अवसर पर संस्थान के लेखापाल अमिंदर भारतीय सहित नवप्रवेशित छात्राध्यापक उपस्थित थे।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में बैठक

दल्लीराजहरा। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जिले के डौंडी, बालोद एवं गुरुर विकासखंड में ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर विलेज विजन 2030 कार्य योजना का वाचन एवं अनुमोदन किया गया। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जिले के सभी चयनित ग्रामों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जाने हेतु शासन के सभी विभागों ग्राम के स्व सहायता समूह तथा गांव के निवासियों के द्वारा गांव में आपसी विचार बीमार से पश्चात कार्य योजना तथा ग्राम विकास योजना का निर्माण किया गया। उल्लेखनीय है कि 03 अक्टूबर को विकासखंड डौंडी के आदि कर्म योगी अभियान अंतर्गत चयनित ग्रामों में 11 ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर कार्य योजना का अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार डौंडीलोहारा के करीब 50 गांव एवं गुरुर विकासखंड के 02 गांव में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर गांव में तैयार किए गए कार्य योजना का अनुमोदन किया गया। इस दौरान गांव के विकास में सहयोग हेतु ग्रामीणों द्वारा आदि शपथ लिया गया।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण के तहत गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का ग्रामसभा में वाचन

दल्लीराजहरा। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत डिजिटल फसल सर्वेक्षण के तहत गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का जिले के ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में पठन किया जा रहा है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए डिजिटल फसल सर्वेक्षण के तहत हुए गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का पठन कर ग्रामीणों को उनके रकबे और बोए गए फसल की जानकारी दी जा रही है। ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर डिजिटल फसल सर्वेक्षण की सूची को चस्पा भी किया गया है। जिसका ग्रामीण अवलोकन कर अपने रकबे और फसल की जानकारी ले रहे हैं। जिले के विभिन्न ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर डिजिटल क्रॉप सर्वे और मैनुअल गिरदावरी का वाचन किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में किसानों के फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण मोबाइल ऐप के माध्यम से रियल टाइम में किया गया, जिसमें खेत की भौगोलिक स्थिति के साथ फसल की फोटो अपलोड की गई है। राज्य शासन द्वारा भू-नक्शों के जीव-रिफ्रेंसिंग के पश्चात अब त्रुटिरहित फसल सर्वेक्षण संभव हुआ है। इस पहल का उददेश्य त्रुटिरहित फसल गिरदावरी सुनिश्चित करते हुए किसानों के फसलों की सटीक और तकनीकी जानकारी एकत्रित करना है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित की जा सके। डिजिटल फसल सर्वेक्षण में किसानों की फसलों की सभी जानकारियां एग्री स्टैक पोर्टल में दर्ज की गई है। जिससे किसानों को फसल उत्पादकता के लिए जरूरी इनपुट जैसे फसल ऋण, विशेषज्ञों की सलाह से लेकर बाजार उपलब्ध कराने में एग्री स्टैक पोर्टल से मदद मिलेगी।

वन्य प्राणियों का मुखौटा लगाकर दिया गया वन्यप्रणी संरक्षण सप्ताह पर संदेश

दल्लीराजहरा। वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह एक महत्वपूर्ण आयोजन है। चौहरा पड़ाव (दल्लीराजहरा) के जंगलो, के बीच वन्य प्राणियों का मुखौटा लगाकर, ग्रीन कमांडो वीरेंद्र सिंह एवं उनके साथियों ने लोगों से अपील की कि वन्य प्राणियों को सड़क पार होने दें। जिसका उददेश्य लोगों को वन्यजीवों और उनके आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे कि जागरूकता कार्यक्रम वन्यजीवों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इको सिस्टम के संतुलन की जानकारी: वन्यजीवों और उनके आवासों के बीच के संबंधों के बारे में जानकारी दी जाती है और इको सिस्टम के संतुलन को बनाए रखने के महत्व पर चर्चा की जाती है। प्रकृति संरक्षण लोगों को प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया जाता है और उन्हें वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह का उद्देश्य वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा करना और लोगों को उनके संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। यह आयोजन हमें वन्यजीवों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में याद दिलाता है।

संक्षिप्त समाचार

कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर देशभर में मचा हड़कंप,छग में भी अलर्ट जारी

रायपुर। कोल्ड्रिफकफसिरप को लेकर देशभर में चिंता का माहौल है। राजस्थान और मध्यप्रदेश में इस सिरप के सेवन से अब तक 12 बच्चों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इसके चलते मध्यप्रदेश और तमिलनाडु सरकार ने इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सिरप के सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं। यह कफसिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले की फार्मा कंपनी श्रीसन फार्मा द्वारा निर्मित की गई है। प्राथमिक जांच में इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा खतरनाक स्तर तक पाई गई है, जो शरीर के लिए अत्यधिक विषैली होती है और इससे गुर्दे फेल होने जैसे गंभीर परिणाम हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल राज्य में इस कंपनी की सिरप की कोई आपूर्ति नहीं की गई है। लेकिन एहतियातन इस सिरप को राज्य में भी प्रतिबंधित करने की तैयारी की जा रही है ताकि किसी तरह की आशंका या भ्रम की स्थिति न बने। विभाग ने बताया कि बाजार में निगरानी बढ़ा दी गई है और संबंधित दवा की बिक्री रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के दवा व्यवसायी अश्वनी विग ने जानकारी दी कि राज्य में न तो कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री हो रही है और न ही श्रीसन फार्मा का कोई गोदाम यहां मौजूद है। इसके बावजूद पड़ोसी राज्यों में बच्चों की मौत की खबरों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही सिरप की तस्वीरों के चलते लोगों में डर का माहौल बन गया है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और यदि इस सिरप से जुड़ी कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या प्रशासन को सूचित करें। राज्य सरकार ने लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतर्कता बढ़ा दी है।

परशुराम नगर में जबरन धर्म परिवर्तन को लेकर बवाल, आधा दर्जन लोगों पर एफआईआर दर्ज

रायपुर। शहर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित परशुराम नगर में जबरन धर्म परिवर्तन कराने के आरोप को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ। यह मामला उस वक्त सामने आया जब एक महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी भांजा बहू पर उपचार के नाम पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं समेत कुल सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता पुरैना निवासी बालका राजपूत ने आरोप लगाया है कि उसकी भांजा बहू रितू की तबीयत तीन महीने पहले खराब हो गई थी। इसके बाद वह इलाज के लिए मायाराम नामक व्यक्ति के पास गई। बालका का कहना है कि मायाराम ने इलाज के बहाने रितू को ईसाई धर्म स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रभावित किया और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला। बालका ने बताया कि रितू के पति ने शुक्रवार को उन्हें सूचना दी कि कुछ लोग उसे जबरन धर्म परिवर्तन कराने के लिए ले जा रहे हैं। इस जानकारी के बाद बालका ने बजरंग दल के स्थानीय कार्यकर्ताओं को पूरे मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और जहां रितू का कथित रूप से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था, वहां हंगामा कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। बाद में बालका की शिकायत के आधार पर मायाराम, किशोर सेनापति, चौधरी बेसरा, आशीष नाग, सिकंदर सिंह, गायत्री यादव और प्रफुल्ला पन्का के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी का कहना है कि किसी भी तरह की सांप्रदायिक अशांति न फैले, इसके लिए क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

छत्तीसगढ़ से 10 दिन की देरी से लौटेगा मॉनसून

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कई इलाकों में रविवार को भी बारिश की संभावना है। इस बार मॉनसून 15 अक्टूबर के बाद वापस लौटेगा। वहीं, कुछ जिलों में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर इन 7 जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां बिजली चमकने, बादल गरजने और आंधी चलने की आशंका है। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आज से पूरे प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में गिरावट आएगी। इसके साथ ही मॉनसून की विदाई शुरू हो जाएगा। विभाग के अनुसार, अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक मॉनसून की पूरी तरह से विदाई हो जाएगी। हालांकि मॉनसून के जाते-जाते भी कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे प्रदेश के सभी संभाग में हल्की और मध्यम वर्षा हुई है। हालांकि मौसम में बदलाव के साथ ही कई जिलों में गर्मी भी बढ़ गई है। शनिवार को सबसे ज्यादा तापमान दुर्ग जिले का दर्ज किया गया। दुर्ज जिले का तापमान 31.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री भी दुर्ग में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 30 सितंबर तक की बारिश को ही मॉनसून की बारिश माना जाता है। इसके बाद की बारिश को पोस्ट मानसून कहा जाता है। विभाग ने कहा- देश के कई हिस्सों से मॉनसून की वापसी शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में आमतौर पर 5 अक्टूबर के आसपास से मॉनसून लौटने लगता है लेकिन इस बार वापसी में देरी हो सकती है। मॉनसून करीब 15 अक्टूबर के बाद लौटेगा।

पूणे और मुबंई के तीन एजेंटों ने किया करोड़ों का जमीन घोटाला, रेरा ने खरीदी-बिक्री पर लगाई रोक

रायपुर। राज्य गठन के बाद सबसे बड़ा जमीन घोटाला सामने आया है। यहां करीब 50 एकड़ सरकारी भूमि को पहले किसानों के नाम आवंटित किया गया और फिर योजनाबद्ध तरीके से इसे निजी कंपनियों और एक मल्टीनेशनल कंपनी को बेच दिया गया। इस पूरे खेल की कीमत लगभग 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, डोमा गांव (प.ह. नं. 84) की भूमि लंबे समय से राजस्व रिकॉर्ड में घास और चराई की जमीन के रूप में दर्ज थी। ऐसी भूमि किसी भी स्थिति में निजी स्वामित्व में नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद कुछ किसानों को इसका आवंटन कर दिया गया। बाद में इन किसानों से दो नामी कंपनियों स्वास्तिक प्रोजेक्ट्स और रूपी रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड ने जमीन खरीद ली।

सूरजपुर के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर के एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे राज्यपाल रमेन डेका

एक पेड़ माँ के नाम के तहत किया पीपल के पेड़ का पौधारोपण

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज सूरजपुर जिले के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर में अधिकारियों की बैठक ली और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के अद्यतन स्थिति के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आमजन उम्मीद से प्रशासन व शासन के पास आता है, प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सेवा भाव व विनम्रता पूर्वक लोगों की समस्याओं को सुनें और निश्चित समय सीमा पर उनका निदान करें। उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के उद्देश्य से उपस्थित जनों को अवगत कराते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, आजीविका एवं आधारभूत संरचना क्षेत्रों में हो रहे कार्यों के सम्बन्ध में वृहद चर्चा की और उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही जनजाति समुदाय की संस्कृति को जिंदा रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिये गए। जनजाति समुदाय के लोगों के जीवन शैली, स्वास्थ्य व शिक्षा के स्तर मे सकरात्मक बदलाव के लिए उन्होंने योजना आधारित जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश राज्यपाल ने दिए। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य की आवश्यकता को ध्यान मे रखते हुए ग्राउन्ड वॉटर लेवल रिचार्ज पर सकरात्मक कार्य करने, स्कूल मे ड्रॉप आउट की दर नगण्य करने, रूरल डेवलपमेंट को प्राथमिकता देने, सभी सरकारी संस्थानों मे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सुनिश्चित करने, जल संचय को बढ़ावा देने, बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु शिक्षकों की लगातार मॉनीटरिंग करने, टीबी उन्मूलन पर युद्धस्तर पर कार्य करने पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राज्यपाल ने अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम तभी सफल होगा जब प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, मितानिन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्थानीय समुदाय आपसी समन्वय से कार्य करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण, कुपोषण उन्मूलन एवं युवाओं के कौशल विकास पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने मां के नाम एक पौधा कार्यक्रम के तहत पीपल का पौधा रोपित किया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही श्री ज्योत्सना पैकरा, श्री तेजपाल, श्री सुखराम को पीएम आवास की चाबी सौंपी, उन्होंने परिवार के सदस्यों को उनके नए आवास के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने हितग्राही और उनके परिवार से आत्मीयता से बातचीत भी की। उन्होंने परिवार की आजीविका, बच्चों की पढ़ाई और योजना से हुए बदलावों के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कार्यक्रम में विभागीय योजना अंतर्गत सामग्री का वितरण व चेक का वितरण किया। जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' अंतर्गत हितग्राही श्रीमती पिंकी, श्रीमती कलावती, श्रीमती सुन्दरी को चेक वितरण किया गया। इसके साथ स्व सहायता समूह की दीदियों से आजीविका मूलक गतिविधियों के सम्बंध में चर्चा की । राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा विकासखण्ड लखनपुर अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम जुड़वानी नवापारा की मीरा प्रजापति एवं पहाड़ी कोरवा हितग्राही ग्राम लब्जी की नमिता को शॉल प्रदान कर सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं गई। वहीं दो हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड, दो हितग्राहियों को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत अतिरिक्त पोषण आहार का वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ की धरती सदा से रही है साहित्य और संस्कृति की धरा-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय........

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराओं को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से विगत रात्रि आयोजित राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती सदा से साहित्य और संस्कृति की धरा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाकवि कालिदास ने इसी धरती पर मेघदूत जैसे अमर काव्य की रचना की, वहीं गजानन माधव मुक्तिबोध और पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे यशस्वी साहित्यकारों ने इसी मिट्टी से अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र रायगढ़ के सुप्रसिद्ध संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग का यह अभिनव प्रयास प्रदेश की कला, साहित्य और रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहन देने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा साहित्यकारों, रचनाकारों और कलाकारों को निरंतर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं से चयनित तीनों विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से युवा कवियों को देश के ख्यातिलब्ध कवियों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उनके रचनात्मक विकास को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि यह सम्मेलन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा कवियों के लिए सीखने और सृजन की प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति आरंभ से ही समृद्ध रही है यहाँ मनुष्य के जीवन से लेकर मृत्यु तक हर अवसर पर गीत गाए जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब खेतों में बुआई का समय आता है, तो पूरे वातावरण में ददरिया की मधुर ध्वनि गूंजती है। यहाँ विविध वाद्य, गीत, नृत्य और लोककलाओं की अनूठी परंपरा रही है। श्री साव ने कहा कि यह प्रदेश संतों, महात्माओं और कवियों की कर्मभूमि रहा है, जहाँ से समाज को सदैव नई दिशा मिली है। उन्होंने प्रदेशभर से आए युवा कवियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया। सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवि शशिकांत यादव, श्री दिनेश बावरा, श्री नीलोत्पल मृणाल, सुश्री कविता तिवारी और सुश्री मनु वैशाली ने अपनी ओजपूर्ण एवं भावनात्मक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महतारी वंदन योजना से महिलाएं हो रहीं आत्मनिर्भर

- श्रीमती शामपति ने योजना की राशि से शुरू किया बकरी पालन, परिवार की स्थिति में आया सुधार

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में महतारी वंदन योजना आज प्रदेशभर की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में यह योजना महिलाओं को स्वावलंबन और सम्मान की नई राह दिखा रही है। श्रीमती शामपति ने इस योजना की राशि से शुरू की बकरी पालन, जिससे परिवार की स्थिति में आया सुधार आया । बलरामपुर जिले के राजपुर विकासखंड के ग्राम पतरापारा निवासी श्रीमती शामपति इस योजना से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी हैं। योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। इस राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने बकरी पालन का कार्य प्रारंभ किया, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। श्रीमती शामपति ने बकरियों के लिए हवादार और स्वच्छ बाड़ा बनवाया, चारा, पानी और स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था की। पशु चिकित्सकों की सलाह से उन्होंने बकरियों का नियमित टीकाकरण और उपचार भी सुनिश्चित किया। उनके बकरी पालन ने अब परिवार के लिए स्थायी आय का स्रोत तैयार कर दिया है। वे बताती हैं महतारी वंदन योजना की राशि एक हजार रुपये शहर में कम लग सकती हैं, लेकिन हमारे लिए यह बहुत बड़ी सहायता है। इसी राशि से मैंने बकरी पालन शुरू की और आज हमारा जीवन पहले से बेहतर स्थिति में है। श्रीमती शामपति की सफलता से प्रेरित होकर गांव की अन्य महिलाएं भी बकरी पालन, सब्जी उत्पादन और छोटे व्यवसायों की ओर अग्रसर हो रही हैं। अब महिलाएं परिवार की आर्थिक रीढ़ बन रही हैं, जिससे ग्रामीण समाज में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हो रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना का उद्देश्य हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करना है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में लाखों महिलाओं को इस योजना के माध्यम से प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे महिलाएं अपनी आजीविका सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठा रही हैं।

बिना एरियर महंगाई राहत के आदेश होने पर पेंशनर्स नाराज

रायपुर। संवाददाता

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विगत शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार से पेंशनरों और परिवार पेंशनरों हेतु एरियर सहित 5त्र प्रतिशत डीआर के आदेश तुरंत जारी करने की मांग की गई। बैठक में बिना एरियर के आदेश जारी करने पर इसके विरोध में पूरे प्रदेश में डीआर आदेश का होली जलाने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पेंशनरों को डीआर देने के आदेश जारी करने में जानबूझकर अनावश्यक

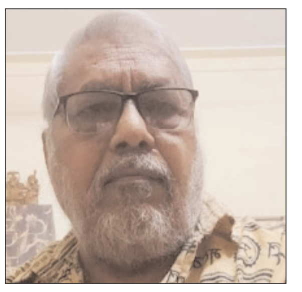

विलंब कर पेंशनरों के साथ घोर अन्याय किया जा रहा है। जबकि राज्य में पेंशनरों को छोड़कर कर्मचारियों के लिए बिना एरियर 2त्र प्रतिशत मंहगाई भत्ता के आदेश 25 अगस्त को बहुत पहले जारी कर चुकी है परंतु उसके बाद से अपनी बारी का पेंशनर इंतजार कर रहे है नवरात्रि और दशहरे के पहले मिलने की आस टूटने के बाद अब दिवाली के पहले आदेश का भरोसा कर रहे है। जनवरी का 2त्र प्रतिशत अभी बकाया है और अब केंद्र सरकार ने जुलाई से 3त्र प्रतिशत वृद्धि कर दिया है। इस तरह अब राज्य को केंद्र के समान 5त्र प्रतिशत डीआर पेंशनरों को देना है मगर सरकार की चुप्पी से हैरानी हो रही है। बैठक में नवंबर माह में जन्म लिए आजीवन सदस्य क्रमशः आर के दीक्षित, भीमराव जाम्हले,मालिक राम वर्मा और आर के टंडन को पौधा भेंट कर पुष्पहार पहना कर उनके स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर बैठक में पूरन सिंह पटेल, जेपी मिश्रा, अनिल गोल्हानी, टी पी सिंह,लोचन पाण्डे, आर जी बोहरे।

जमीन विवाद में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के बटईकेला से एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है। सीतापुर थाना क्षेत्र में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक मुन्ना राम और आरोपी छोटा भाई ठाकुर राम दोनों एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। अत्यधिक नशे की हालत में दोनों के बीच जमीन बंटवारे को लेकर बहस शुरू हो गई। यह मामूली विवाद जल्द ही हिंसक हो उठा, और गुस्से में आए छोटे भाई ठाकुर राम ने पास पड़ी जलावन की लकड़ी से बड़े भाई मुन्ना राम के सिर पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल मुन्ना राम को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने विकास कार्यों के लिए 6 करोड़ देने की घोषणा की

छत्तीसगढ़ को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य-साव

- सरकार सुशासन, पारदर्शिता और विकास के संकल्प के साथ निरंतर काम कर रही - श्री ओ.पी. चौधरी
- उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री ने 70 करोड़ से अधिक के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ में 70 करोड़ 54 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। उन्होंने रायगढ़ नगर निगम में 43 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत के सात कार्यों का शिलान्यास और 70 लाख रुपए के दो कार्यों का भूमिपूजन किया। इनके साथ ही लोक निर्माण विभाग के 22 करोड़ रुपए लागत के छह कार्यों का भूमिपूजन और चार करोड़ 24 लाख रुपए के दो कार्यों का लोकार्पण भी किया गया। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री साव ने रायगढ़ शहर में विभिन्न विकास कार्यों के लिए छह करोड़ रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र, निर्मित आवास के हितग्राहियों को चाबी तथा स्वच्छता दीदियों को पीपीई किट भी प्रदान किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'हमने बनाया है हम ही संवारेंगे' के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। सरकार बनते ही सबसे पहले 18 लाख गरीब परिवारों को पक्के आवास की स्वीकृति दी गई है। महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। श्री साव ने बताया कि अकेले रायगढ़ नगर निगम को पिछले 20 महीनों में 343 विकास कार्यों के लिए 222 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। हमारी सरकार प्रदेश के शहरों के सुनियोजित विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि छत्तीसगढ़ के सात शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त हुआ है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ विकास के हर क्षेत्र में अग्रणी बने। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 700 से अधिक टेंडर जारी किए जा चुके हैं, जिससे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जीएसटी उत्सव मनाया जा रहा है। जीएसटी में सुधार से वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है और आर्थिक प्रणाली सुदृढ़ हुई है। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन, पारदर्शिता और विकास के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। रायगढ़ जिले को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका लाभ लोगों को सीधे तौर पर मिल रहा है। रायगढ़ में सड़क, पुल-पुलिया, नालंदा परिसर और ऑक्सीजोन जैसे कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ राज्य के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला जिला है। रायगढ़ को एक आदर्श एवं आधुनिक जिला के रूप में विकसित किया जाएगा।

संपादकीय

कश्मीर पर तुर्किये की कोशिश नाकाम

भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मुद्दे पर बातचीत हमेशा द्विपक्षीय स्तर पर ही होती रही है। कश्मीर का मसला भी इनमें से एक है। हालांकि, कई मौकों पर खुद पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश की है, लेकिन भारत तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज करता रहा है। अब अमेरिका ने भी साफ कर दिया है कि कश्मीर भारत–पाकिस्तान का आपसी मसला है और इसमें किसी तरह का दखल देने में उसकी कोई रुचि नहीं है। अमेरिका का यह संदेश इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत–पाक के बीच संघर्ष विराम कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। जबकि भारत इन दावों को पूरी तरह नकारता रहा है। ऐसे में अब अमेरिका ने भारत के उस रुख की पुष्टि कर दी है कि पाकिस्तान से जुड़े मसलों में किसी तीसरे पक्ष का दखल कतई स्वीकार्य नहीं है। दरअसल, 1971 के भारत–पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शिमला में एक अहम समझौता हुआ था। इसके तहत आम सहमति बनी थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर सहित जितने भी मसले हैं, उनका समाधान आपसी बातचीत से ही किया जाएगा। यानी द्विपक्षीय मुद्दों को न तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया जाएगा और न ही इनमें किसी तीसरे पक्ष को शामिल किया जाएगा। मगर इस समझौते का पाकिस्तान ने कई बार उल्लंघन कर कश्मीर मसले को संयुक्त राष्ट्र में भी उठाया है। जबकि भारत इस समझौते के अनुरूप अपने रुख पर हमेशा कायम रहा है और इसी का नतीजा है कि अब अमेरिका ने भी स्वीकार किया है कि कश्मीर मसला सीधे तौर पर द्विपक्षीय मुद्दा है। गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि यह उनके देश की दीर्घकालिक नीति है कि कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान ही आपसी बातचीत और सहमति से कोई हल निकाल सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों की ओर से अमेरिका से किसी मुद्दे पर सहयोग मांगा जाता है तो वह मदद के लिए तैयार है। हालांकि, भविष्य में ऐसी नौबत आने की दूर–दूर तक कोई संभावना नहीं है। अमेरिका का यह बयान ऐसे मौके पर आया है, जब पाकिस्तान के मित्र देश तुर्किये के राष्ट्रपति ने पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मसला उठाया था। उनका कहना था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के आधार पर संवाद के जरिए होना चाहिए। भारत ने इसका कड़ा विरोध करते हुए अपना रुख स्पष्ट किया और कहा कि यह सिर्फ द्विपक्षीय मुद्दा है और इसका अंतरराष्ट्रीयकरण नहीं किया जा सकता।

सांप्रदायिक तनावों और दूरदराज़ इलाकों में, जहाँ मतपत्र हाथियों से पहुँचाए गए, सेन की दृढ़ता ने अराजकता को विजय में बदला। 51 प्रतिशत मतदान ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में विश्वास जगाया, और कांग्रेस ने 489 में से 364 सीटें जीतीं। सेन ने एक मजबूत चुनाव आयोग की नींव रखी, जो अब तक 17 लोकसभा चुनाव संचालित कर चुका है। उल्लेखनीय रूप से, यह पहला चुनाव अकेला नहीं था; राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ हुए, जिसने 1967 तक चार चक्रों में एक साथ चुनाव की परंपरा को जन्म दिया।

एक राष्ट्र, एक चुनाव- एकजुट भविष्य की ओर

(जयसिंह रावत)

दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था में, जहां 90 करोड़ से अधिक मतदाता एक अरब से ज्यादा लोगों के भाग्य का निर्धारण करते हैं, चुनावी प्रक्रिया अलग-अलग अभियानों, निरंतर व्यय और शासन में रुकावटों से जटिल हो गई है। 'एक राष्ट, एक चुनाव' की अवधारणा लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों को हर पांच साल में एक साथ कराने का साहसिक दृष्टिकोण है। यह दक्षता बढ़ाने, वित्तीय बोझ कम करने और भारत की संघीय संरचना को मजबूत करने का अवसर है।

यह प्रस्ताव 1952 के पहले आम चुनाव की एकजुट लय की याद दिलाता है, जिसने एक नवजात गणतंत्र में लोकतंत्र की नींव रखी। जैसे-जैसे यह विचार संवैधानिक बहसों के बीच गति पकड़ रहा है, यह हमें उस ऐतिहासिक प्रयास की याद दिलाता है, जिसने भारत को विश्वास के साथ लोकतंत्र की राह पर ले गया।

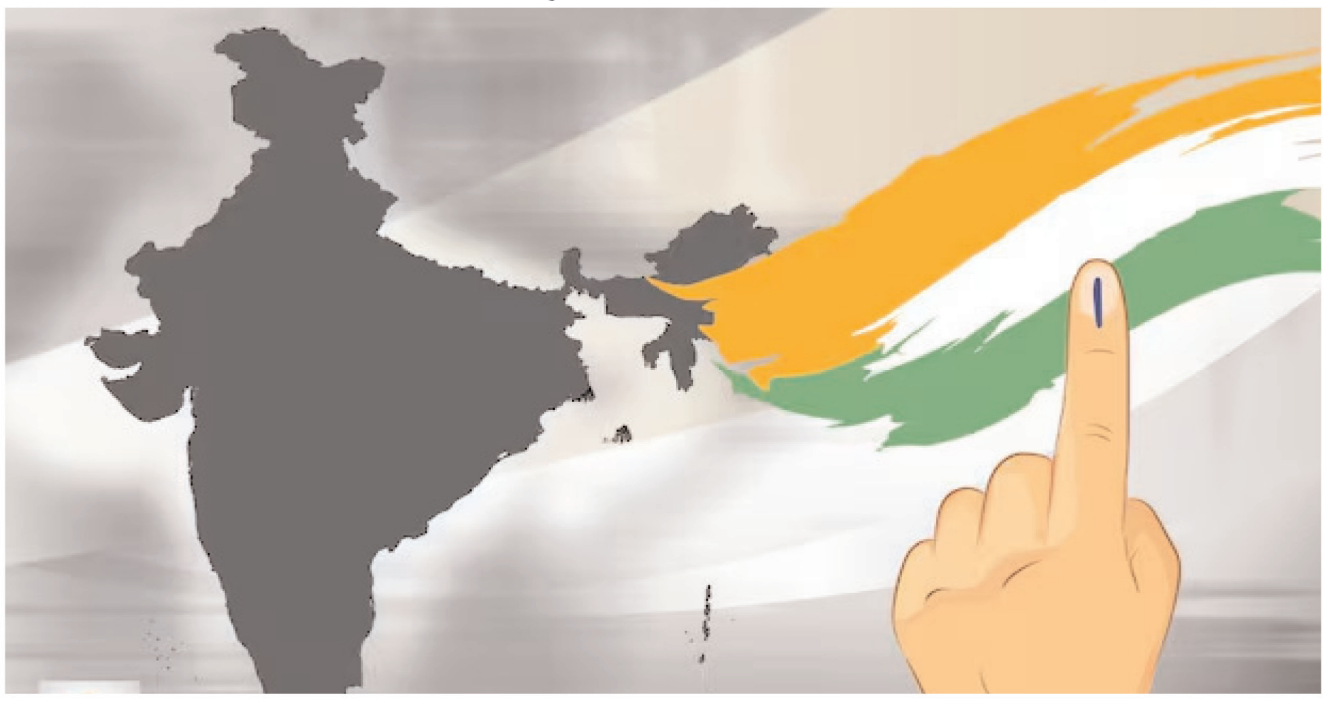

सुकुमार सेन का ऐतिहासिक योगदान– स्वतंत्र भारत का पहला आम चुनाव (25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952) केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक नवजात गणतंत्र के लिए स्वशासन का साहसिक प्रयोग था। विभाजन की हिंसा, शरणार्थी संकट और 20 प्रतिशत से कम साक्षरता दर के बीच, 17.3 करोड़ मतदाताओं के लिए 1.73 लाख मतदान केंद्र स्थापित किए गए।

इस महान कार्य के केंद्र में थे सुकुमार सेन, भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त। बिना किसी पूर्व योजना या बड़ी नौकरशाही के, सेन ने 3 लाख अधिकारियों की भर्ती की, पोस्टरों और लोक गीतों के माध्यम से मतदाता शिक्षा का नवाचार किया, और धोखाधड़ी रोकने के लिए मतपत्र डिज़ाइन को मानकीकृत किया। सांप्रदायिक तनावों और दूरदराज़ इलाकों में, जहाँ मतपत्र हाथियों से पहुँचाए गए, सेन की दृढ़ता ने अराजकता को विजय में बदला। 51 प्रतिशत मतदान ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में विश्वास जगाया, और कांग्रेस ने 489 में से 364 सीटें जीतीं। सेन ने एक मजबूत चुनाव आयोग की नींव रखी, जो अब तक 17 लोकसभा चुनाव संचालित कर चुका है। उल्लेखनीय रूप से, यह पहला चुनाव अकेला नहीं था; राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ हुए, जिसने 1967 तक चार चक्रों में एक साथ चुनाव की परंपरा को जन्म दिया।

एकजुटता की आवश्यकता– 1960 के दशक के अंत में समय से पहले सरकारें भंग होने और इंदिरा गांधी के 1971 के मध्यावधि चुनावों ने यह सामंजस्य तोड़ दिया। आज, 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में अलग-अलग कार्यकालों के कारण भारत एक साल में सात बड़े चुनावों का सामना करता है, साथ में उप-चुनाव और स्थानीय मतदान।

सरकारी अनुमानों के अनुसार, पाँच वर्षों में 4.5 लाख करोड़ रुपये (लगभग 54 अरब डॉलर) खर्च होते हैं, जो विकास कोष को प्रभावित करता है। आदर्श आचार संहिता महीनों तक नीति निर्णयों को रोकती है, अधिकारियों को कर्तव्यों से हटाती है और अभियान निधियों के माध्यम से काले धन को बढ़ावा देती है।

यह विचलन आवश्यकता से जन्मा था, लेकिन अब अक्षमता में बदल गया है। एक राष्ट, एक चुनाव इस अक्षमता को दूर करने और एकजुटता की वापसी का प्रगतिशील कदम है।

संवैधानिक और व्यावहारिक अड़चनें– 'एक राष्ट, एक चुनाव' के लिए कई संवैधानिक और व्यावहारिक अड़चनें हैं। संवैधानिक रूप से, अनुच्छेद 83 (लोकसभा कार्यकाल), 85 (लोकसभा भंग), 172 (विधानसभा कार्यकाल) और 174 (विधानसभा भंग) में संशोधन आवश्यक हैं, जिनके लिए दो-तिहाई संसदीय बहुमत और कम से कम आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। यह संघीय ढांचे को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि राज्यों के कार्यकाल को जबरन बदलना स्वायत्तता का उल्लंघन माना जा सकता है, जैसा कि एसआर बोम्मई मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने संघीयता को संविधान की बुनियादी संरचना का हिस्सा बताया।

अनुच्छेद 356 (राष्टपति शासन) का दुरुपयोग केंद्र की शक्ति बढ़ा सकता है। यदि कोई सरकार अविश्वास प्रस्ताव से गिरे, तो नए चुनाव की व्यवस्था लोकतांत्रिक जवाबदेही कम कर सकती है। क्षेत्रीय दलों को नुकसान हो सकता है, क्योंकि राष्ट्रीय मुद्दे राज्य मुद्दों पर हावी हो सकते हैं।

व्यावहारिक रूप से, रसद सबसे बड़ी चुनौती है। एक साथ चुनाव के लिए करोड़ों इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों, मतदाता सत्यापन पर्ची मशीनों और सुरक्षा बलों की आवश्यकता होगी, जिसकी लागत 92.84 अरब रुपये अनुमानित है। 10 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर 1 करोड़ कर्मचारियों की तैनाती शासन के अन्य क्षेत्रों को प्रभावित करेगी।

राजनीतिक सहमति की कमी है; विपक्ष इसे संघीयता पर हमला मानता है। यदि कोई विधानसभा समय से पहले भंग हो, तो नए चुनाव इस प्रस्ताव का उद्देश्य विफल कर सकते हैं। लागत बचत का दावा भी संदिग्ध है, क्योंकि प्रारंभिक निवेश और सुरक्षा तैनाती महँगी होगी। ये अड़चनें लोकतंत्र और संघीयता की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

समिति, विधेयक और संवैधानिक प्रगति– यह विचार 1983 में चुनाव आयोग और 2017 में नीति आयोग द्वारा समर्थित था। 2023 में, पूर्व राष्टपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चाधिकार समिति ने 2029 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव सरेखित करने और 2034 तक पंचायत व नगरपालिका चुनाव शामिल करने की सिफारिश की।

इसके लिए अनुच्छेद 83 और 172 में संशोधन, निश्चित कार्यकाल, समय से पहले भंग होने पर नए चुनाव, और एकल मतदाता सूची प्रस्तावित है। दिसंबर 2024 में, संविधान (129वाँ संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक संसद में पेश किए गए। ये विधेयक, दो-तिहाई बहुमत और राज्य अनुमोदन के साथ, राष्ट्रीय एकजुटता की दिशा में कदम हैं।

एकजुटता का पक्ष– 'एक राष्ट, एक चुनाव' व्यय को 40-50 प्रतिशत तक कम कर सकता है, बचत को बुनियादी ढाँचे और कल्याण पर पुनर्निर्देशित कर सकता है-एक ऐसे राष्ट में महत्वपूर्ण जहाँ चुनावी लागत रक्षा बजट से प्रतिस्पर्धा करती है। कम रुकावटों से नीति निर्माण निर्बाध होगा, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मतदाता थकान कम होगी, जैसा कि 2019 के 67 प्रतिशत मतदान से संकेत मिलता है। यह सुकुमार सेन के योगदान को पुनर्जनन करता है, जो एकजुट चुनावों की परंपरा को जीवित कर राष्ट्रीय एकता, विकास और मतदाता सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

केंद्रीकरण की छाया-संघवाद की चुनौतियां– आलोचक निश्चित कार्यकालों से राज्यों की स्वायत्तता पर प्रभाव की चिंता करते हैं। फिर भी, यह प्रस्ताव राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों को एक साथ संबोधित कर संघीय ढाँचे को मजबूत कर सकता है।

रसद की चुनौतियों को अधिक इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों, कर्मचारियों और सुरक्षा से हल किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल गठबंधनों में मजबूत भूमिका निभा सकते हैं। मध्यावधि पतन के लिए प्रावधान स्थिरता सुनिश्चित करेंगे।

गणतंत्र के लिए एक मोड़– जैसे-जैसे विधेयक संसद में आगे बढ़ रहे हैं, 'एक राष्ट, एक चुनाव' सुकुमार सेन के 'विश्वास के कार्य' को पुनर्जनन करता है। यह 1952 की एकजुट लय को जीवित कर सकता है, एक मजबूत लोकतंत्र को बढ़ावा दे सकता है। यह भारत की आकांक्षाओं पर जनमत संग्रह है। सफलता समावेशिता पर निर्भर है। 10 करोड़ पथप्रदर्शक मतदाताओं के वंशज इसका निर्णय करेंगे। भारत का लोकतंत्र किस लय पर नाचेगा? मतपेटी इंतज़ार कर रही है।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार

विदेशी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

(नीरज कुमार दुबे)

ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से वीएफएक्स और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं।

अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100 प्रतिशत टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है।

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से वीएफएक्स और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे 'अमेरिका की कमजोरी' के रूप में देखते हैं।

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100त्न टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं।

इसके अलावा, ओटीटी और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष, 100 साल का संघ और इतिहास की साक्षी अयोध्या

संघ की स्थापना के समय डॉ. हेडगेवार का उद्देश्य स्पष्ट था कि हिंदू समाज को संगठित कर राष्ट्र को मजबूत बनाना। उन्होंने कहा था- हिंदू राष्ट्र की रक्षा के लिए स्वयंसेवकों का निर्माण आवश्यक है। यह दृष्टि आज भी प्रासंगिक है। विजयदशमी का उद्बोधन सरसंघचालक का वार्षिक संदेश स्वयंसेवकों के लिए दिशानिर्देशिका का कार्य करता है। पूरे वर्ष यह वक्तव्य संघ के कार्यों को दिशा प्रदान करता है, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालता है। स्वयंसेवक इसे अत्यंत ध्यान से ग्रहण करते हैं, क्योंकि यह केवल भाषण नहीं, बल्कि संघ की वैचारिक यात्रा का सार है।

आशीष कुमार 'अंशु'

27 सितंबर 1925 को डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। यह संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है। स्थापना के दिन के रूप में दशहरा का दिन चुना गया। विजयदशमी का पर्व सदैव अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक रहा है। यह वह दिन था जो भारत की सांस्कृतिक चेतना में समाहित है। एक साधारण शाखा से प्रारंभ हुआ यह संगठन आज भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। हम उस शताब्दी वर्ष के द्वार पर खड़े हैं, जब विजयदशमी (2 अक्टूबर 2025) संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने का ऐतिहासिक क्षण होगा। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक परिपक्व संगठन की यात्रा का प्रमाण है, जहां एक व्यक्ति के सौ वर्ष बुढ़ापे का संकेत देते हैं, वहीं एक संगठन के सौ वर्ष परिपक्वता और दृढ़ता का प्रतीक होते हैं।

संघ की स्थापना के समय डॉ. हेडगेवार का उद्देश्य स्पष्ट था कि हिंदू समाज को संगठित कर राष्ट्र को मजबूत बनाना। उन्होंने कहा था- हिंदू राष्ट्र की रक्षा के लिए स्वयंसेवकों का निर्माण आवश्यक है। यह दृष्टि आज भी प्रासंगिक है। विजयदशमी का उद्बोधन सरसंघचालक का वार्षिक संदेश स्वयंसेवकों के लिए दिशानिर्देशिका का कार्य करता है। पूरे वर्ष यह वक्तव्य संघ के कार्यों को दिशा प्रदान करता है, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालता है। स्वयंसेवक इसे अत्यंत ध्यान से ग्रहण करते हैं, क्योंकि यह केवल भाषण नहीं, बल्कि संघ की वैचारिक यात्रा का सार है।

विज्ञान भवन में हाल ही में हुए सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के उद्बोधनों ने इस परंपरा को मजबूत किया है। अगस्त 2025 में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला शताब्दी वर्ष की शुरुआत का प्रतीक बनी। डॉ. भागवत ने विभिन्न क्षेत्रों के हजारों प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया, जहां उन्होंने संघ के पंच परिवर्तन अभियान पर जोर दिया। व्यक्तिगत परिवर्तन, पारिवारिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन, पर्यावरणीय परिवर्तन और राष्ट्रीय परिवर्तन। उन्होंने कहा- संघ का लक्ष्य केवल शाखाओं का विस्तार नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ना है।

यह श्रृंखला इंटरएक्टिव थी, जहां राजनीति, शिक्षा, विज्ञान और समाज के प्रतिनिधियों ने प्रश्न रखे। डॉ. भागवत ने स्पष्ट किया कि संघ की शताब्दी केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का माध्यम है। पिछली विज्ञान भवन श्रृंखला (2018 में भारत का भविष्य-संघ की दृष्टि) ने भी इसी प्रकार स्वयंसेवकों को दिशा दी, जहां उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर बल दिया। ये उद्बोधन स्वयंसेवकों के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ सिद्ध हुए, जो संघ की वैचारिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं।

शताब्दी वर्ष का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह संघ की यात्रा का आकलन करने का अवसर प्रदान करता है। 1925 से 2025 तक, संघ ने असंख्य चुनौतियों का सामना किया-विभाजन की विभीषिका, आपातकाल का अंधेरा, प्राकृतिक आपदाओं का संकट। फिर भी, यह संगठन बढ़ता गया।

आज संघ की शाखाएं 68,000 से अधिक हैं, और शताब्दी वर्ष में लक्ष्य है एक लाख शाखाओं तक पहुंचना। देश भर में पथ संचलन की तैयारियां जोरों पर हैं। नागपुर में पारंपरिक पथ संचलन 27 सितंबर को होगा, जिसमें 10,000 स्वयंसेवक भाग लेंगे–जो शताब्दी की भव्यता दर्शाएगी।

राम की नगरी बनेगी साक्षी और इतिहास में दर्ज होगा क्षण

अयोध्या में पहली बार विजयदशमी का कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां राम पथ पर हजारों स्वयंसेवक मार्च करेंगे। संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले मुख्य उद्बोधन देंगे। यह स्थानांतरण प्रतीकात्मक है। अयोध्या, राम जन्मभूमि का प्रतीक, संघ की हिंदू एकता की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद नागपुर के मुख्य अतिथि होंगे, जो राष्ट्रीय स्तर पर इस आयोजन को गरिमा प्रदान करेगा।

देशभर में यह विशेष अवसर ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां चल रही हैं। संघ ने 1,500 से 1,600 हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया है, जो हर क्षेत्र में सांस्कृतिक केंद्र बनेंगे। इनमें संत, विद्वान, युवा, महिलाएं और कारीगर शामिल होंगे। सामाजिक समरसता अभियान के तहत एक लाख हिंदू सम्मेलन और घर-घर संपर्क अभियान चलेगा, जो विभिन्न हिंदू समुदायों को जोड़ेगा। बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में डॉ. भागवत के व्याख्यान होंगे, जो शताब्दी की वैचारिक यात्रा को मजबूत करेंगे। ये कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि संघ के मूल्यों- अनुशासन, सेवा और राष्ट्रभक्ति-को पुनः प्रतिपादित करने का माध्यम हैं।

पिछले सरसंघचालकों के विजयदशमी उद्बोधनों ने संघ की वैचारिक नींव रखी। द्वितीय सरसंघचालक एम.एस. गोलवलकर (गुरुजी) ने 1956 के उद्बोधन में हिंदू समाज की एकता पर जोर दिया। वे कहते हैं- हिंदू राष्ट की अवधारणा जाति-भेद से ऊपर उठकर समग्र समाज को मजबूत बनाती है। उनके समय में संघ ने विभाजन के घावों को भरने का कार्य किया। तृतीय सरसंघचालक बालासाहेब देवरस ने 1973 के बाद के उद्बोधनों में सामाजिक समानता को संघ का मुख्य लक्ष्य बताया। वे आरक्षण और दलित उत्थान पर कहते हैं- संघ जातिवाद का विरोधी है, लेकिन सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध। शताब्दी वर्ष में पथ संचलन का विशेष महत्व है। यह संघ की शारीरिक और वैचारिक शक्ति का प्रदर्शन है। नागपुर का पथ संचलन 5,000 से बढ़कर 10,000 स्वयंसेवकों का होगा, जो अनुशासन और एकता का संदेश देगा। अयोध्या में राम पथ पर मार्च राम जन्मभूमि के प्रति संघ की निष्ठा को साकार करेगा। ये संचलन केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि समाज को प्रेरित करने वाले आयोजन हैं। पूर्व सरसंघचालकों के समय से पथ संचलन संघ की पहचान बने, जो आज शताब्दी में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

संघ की शताब्दी यात्रा भारत के उत्थान की कहानी है। डॉ. हेडगेवार की दृष्टि से प्रारंभ होकर गुरुजी की वैचारिक मजबूती, बालासाहेब की सामाजिक समरसता और वर्तमान नेतृत्व की समावेशी पहुंच तक, संघ ने राष्ट निर्माण में योगदान दिया। आपातकाल में जेल यात्राएं, आपदा राहत में सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य में योगदान ये सब संघ की परिपक्वता दर्शाते हैं।

राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी 30वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप

मैच में ओड़िसा एवं पश्चिम बंगाल की टीमें रही विजेता

नारायणपुर। नारायणपुर के रामकृष्ण मिशन आश्रम में खेलें जा रहें राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी 30 वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के तहत फाइनल राउंड के रोमांचक मुकाबले में ओडिशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोवा को 4-2 से पराजित किया। ओडिशा की ओर से कप्तान प्यारी खाखा ने हैट्रिक लगाते हुए 15वें, 16वें और 90वें मिनट में तीन गोल किए। उनके साथ सत्यवती खड़िया ने 35वें मिनट में एक गोल जोड़ा। गोवा की ओर से गोल स्कोर करिश्मा पुरुषोत्तम शिरवोइक ने 56वें और 64वें मिनट में दो गोल किए, लेकिन टीम ओडिशा की मजबूत रक्षा और तेज आक्रमण के सामने टिक नहीं पाई। अंततः ओडिशा ने 4-2 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता में अपनी शानदार लय और प्रभुत्व को बरकरार रखा। दूसरे मैच में पश्चिम बंगाल ने तमिलनाडु को 3-0 से पराजित किया। यह मुकाबला बारिश के बीच रोमांचक अंदाज में खेला गया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने कड़ा संघर्ष दिखाया, लेकिन गोल करने में केवल पश्चिम बंगाल सफल रही। 25वें मिनट में रिम्पा हलदार ने टीम के लिए पहला गोल किया, जिससे बंगाल ने बढ़त हासिल की। 42वें मिनट में सुलंजना राउल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा गोल दागा। दूसरे हाफ में तमिलनाडु ने वापसी की कोशिश की, लेकिन पश्चिम बंगाल की रक्षण पंक्ति ने सभी प्रयासों को नाकाम किया। 83वें मिनट में संगीता बश्योर (भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी) ने एक और गोल जोड़कर जीत को पक्का कर दिया। पश्चिम बंगाल की कप्तान सुष्मिता लेपचा के नेतृत्व में टीम ने सामंजस्यपूर्ण खेल दिखाया। यह मुकाबला रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्राउंड, नारायणपुर में आयोजित हुआ, जिसने दर्शकों को महिला फुटबॉल का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने का अवसर दिया।

आदिकर्म योगी अभियान के तहत 352 जनजातीय गांवों का विजन प्लान तैयार

कोण्डागांव। जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों के समग्र और सतत विकास की दिशा में केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित आदिकर्मयोगी अभियान के अंतर्गत कोंडागांव जिले के कुल 352 जनजातीय गांवों के लिए ग्राम विजन प्लान 2030 तैयार किया गया है। यह योजना जनजातीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के तहत चयनित ग्राम पंचायतों में आयोजित आदि सेवा पर्व शिविरों के माध्यम से इन विजन योजनाओं का प्रस्तुतीकरण और अनुमोदन 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं में किया गया। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही, जहां उन्होंने अपने गाँव के विकास की दिशा में सुझाव, प्राथमिकताएं और आवश्यकताओं को साझा किया। शिविरों के दौरान ग्राम पंचायत भवनों में स्थापित आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र हितग्राहियों से शासन की विभिन्न योजनाओं हेतु आवेदन लिए गए। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, आवास, आधारभूत ढांचा, वनाधिकार, उद्यमिता और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं शामिल रहीं। अधिकारियों द्वारा पात्रता के अनुसार आवेदनों का त्वरित निराकरण भी किया गया, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिला। अभियान के दौरान अधिकारियों ने गांवों में ट्रांजेक्ट वॉक के माध्यम से अधोसंरचना और संसाधनों का निरीक्षण कर ग्राम की वास्तविक परिस्थितियों का आकलन किया। इस दौरान सड़कों, पेयजल, शिक्षा संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों और आजीविका साधनों की स्थिति का अध्ययन किया गया। ग्रामीणों ने भी इन वॉक में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपनी समस्याएं, सुझाव और स्थानीय जरूरतें साझा कीं। इन सभी सुझाव को संकलित कर ग्राम विजन प्लान 2030 तैयार किया गया है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, आधारभूत संरचना, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण तथा परंपरागत संस्कृति के संरक्षण जैसे मुख्य विषयों को प्राथमिकता दी गई है। इसका उद्देश्य गांवों को आत्मनिर्भर, समृद्ध और सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर करना है।

कलेक्टर ने बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का किया निरीक्षण, गणित विषय की कक्षाएं ली

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के कक्षा 10वीं में गणित की कक्षाएं लीं और प्रश्नों को हल करके विद्यार्थियों को समझाया। कलेक्टर पन्ना ने विद्यार्थियों को गणित के प्रश्नों को हल करने के टिप्स दिए और उन्हें मेहनत तथा ध्यान से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने ब्लैक बोर्ड पर सवाल हल करते हुए चरणबद्ध तरीके से समझाया। कलेक्टर ने शिक्षकों को विद्यार्थियों को रोचक और इंटरेक्टिव तरीके से पढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि बच्चे पढ़ाई में रुचि और ध्यान बनाए रखें। साथ ही उन्होंने विद्यालय की कक्षाओं को पुराने केवीके भवन में संचालित करने के लिए निर्देशित किया।

विधायक ने छात्र दुर्घटना बीमा योजना अंतर्गत चेक का किया वितरण

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक लता उसेंडी द्वारा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र दुर्घटना बीमा योजना अंतर्गत बीमा राशि का चेक संबंधित परिजनों को प्रदान किया गया। इसके अंतर्गत जिले के कुल 17 प्रकरणों में संबंधित परिजनों को एक-एक लाख रुपए बीमा राशि चेक के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरपति पटेल, पार्षद संतोष पात्र सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि गण और अधिकारीगण उपस्थित रहे। विधायक उसेंडी ने इस दौरान उपस्थित परिजनों से संवाद करते हुए बीमा योजना, श्रम पंजीयन सहित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की, साथ ही अपने बच्चों का अच्छे से देखभाल और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए भी कहा।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान सहित विभागीय अधिकारी और शिक्षकगण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि छात्र दुर्घटना बीमा योजना के तहत शासकीय एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं में नियमित अध्ययनरत एवं आरटीई के अंतर्गत प्रवेशित छात्र-छात्राओं की दुर्घटना जनित मृत्यु होने पर उनके दावाकर्ताओं या अभिभावक को छात्र दुर्घटना बीमा योजना के राशि का भुगतान किया जाता है।

बस्तर दशहरा लोकोत्सव के दूसरे दिन संगीत और संस्कृति का शानदार संगम

जगदलपुर। शहर के लालबाग में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव के दूसरे दिन का आयोजन संगीत और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। सारेगामा फेम गायिका रूपाली जग्गा ने अपनी मनमोहक आवाज में एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके गीतों पर दर्शक झूम उठे और पूरा आयोजन स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा एवं दर्शकों ने मोबाइल के टार्च से गायिका का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने भी पारंपरिक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य और गीतों के माध्यम से बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल के बच्चों ने भी शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पेंशन हितग्राहियों के लिए आधार शिविरों का आयोजन

दंतेवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केंद्रीय पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का ऑनलाइन सत्यापन कार्य जिले के सभी ग्रामीण एवं नगरीय निकायों में जारी है। इस प्रक्रिया के दौरान अनेक पेंशनधारियों को आधार अपडेट से संबंधित कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में आधार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में पेंशन हितग्राहियों का आधार अपडेट एवं सत्यापन कार्य किया जाएगा, जिससे उन्हें पेंशन प्राप्ति में किसी प्रकार की बाधा न आए। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित निकायों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र के समस्त पेंशनधारियों को शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित कराएं। जिले में आयोजित होने वाले शिविरों की शुरुआत 7 अक्टूबर को नगर पालिका दंतेवाड़ा क्षेत्र से होगी, जहां दुर्गा मंच, आंवराभाटा में आधार शिविर लगाया जाएगा। इसके बाद 08 अक्टूबर को नगर पंचायत बारसूर में सांस्कृतिक भवन में शिविर आयोजित किया जाएगा। 9 अक्टूबर को दो स्थानों पर नगर पंचायत गीदम (सांस्कृतिक भवन, वार्ड क्रमांक 3) तथा नगर पालिका किरन्दुल (मंगल भवन, वार्ड क्रमांक 3) में शिविर आयोजित होंगे। अंत में 11 अक्टूबर को नगर पालिका बड़े बचेली क्षेत्र में मंगल भवन, आर.ई.एस. कॉलोनी, बचेली में आधार शिविर लगाया जाएगा। प्रत्येक शिविर में निर्धारित आधार ऑपरेटरों की टीम पेंशनधारियों के आधार अपडेट एवं सत्यापन का कार्य करेगी। जिला प्रशासन ने सभी पेंशन हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित तिथि एवं स्थल पर उपस्थित होकर आधार संबंधी कार्य पूर्ण कराएं, ताकि उनकी पेंशन सुविधा निर्बाध रूप से जारी रह सके।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से जुड़ेगा ग्रामीण अंचल

कोण्डागांव। जिले के ग्रामीण अंचल को जिला मुख्यालय से जोड़ने और आम नागरिकों को सुलभ यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उददेश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ पुराने बस स्टैंड से बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने हरी झंडी दिखाकर किया। राज्यव्यापी इस योजना की शुरुआत जगदलपुर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बसों को हरी झंडी दिखाकर की थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विजन में ग्रामीण परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ हो ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए गांवों से शहर तक आमजन को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कोण्डागांव जिले में योजना के तहत पहली बस सेवा सुंदर ट्रेवल्स द्वारा प्रारंभ की गई है। शुरुआती चरण में बस का संचालन कोण्डागांव से विश्रामपुरी मार्ग पर किया जा रहा है। तय समयानुसार यह बस सुबह 7 बजे विश्रामपुरी से कोण्डागांव के लिए रवाना होगी और वापसी में सुबह 10 बजे कोण्डागांव से विश्रामपुरी जाएगी। इस प्रकार प्रतिदिन दो फेरे लगाए जाएंगे, जिससे उन ग्रामीण क्षेत्रों को सीधे बस सुविधा उपलब्ध होगी जहां पहले परिवहन सेवाएँ सीमित थीं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि अगले चरण में विकासखंड माकड़ी के क्षमतापुर से कोण्डागांव तक भी मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत बस सेवा प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इससे दूरस्थ अंचलों के हजारों ग्रामीणों को सीधी परिवहन सुविधा मिलेगी और जिला मुख्यालय तक उनकी पहुंच आसान होगी। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास को नई गति मिल रही है। ग्रामीण बस योजना इसका जीवंत उदाहरण है, जिससे गांव और शहर के बीच की दूरी कम होगी और लोगों का जीवन आसान बनेगा।

उचित मूल्य की दुकान आबंटन के लिए 9 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के प्रावधानों के तहत् प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ओरछा द्वारा विकासखण्ड ओरछा अंतर्गत सर्व संबंधित् ग्रामवासियों को सूचित किया गया है, कि ग्राम पंचायत कोहकामेटा और ग्राम पंचायत धुरबेड़ा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान का आबंटन किया जाना है। अतः विकासखण्ड ओरछा अंतर्गत उपरोक्त ग्राम के समस्त स्व0 सहायता समूह, ग्राम पंचायत से सहकारी समितियां आदि को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान प्राप्त करने हेतु इच्छूक संस्था, समूह निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ-साथ संलग्नक के रूप में संस्था समूह के प्रस्ताव के छायाप्रति, वर्तमान माह से विगत एक वर्ष बैंक खाते का स्टेटमेंट छायाप्रति, संस्था समूह के प्रस्ताव के छायाप्रति, संस्था के अध्यक्ष या प्रबंधक एवं सचिव के आधार की छायाप्रति, संस्था समूह के उपविधि की छायाप्रति के साथ 09 अक्टूबर 2025 को शाम के 05 बजे तक आवेदन पत्र कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ओरछा में प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्या, निराकरण करने दिलाया भरोसा

नारायणपुर। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने भरोसा दिलाया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनदर्शन में प्रभारी अधिक्षिका सोनपुर मनी द्वारा तीन माह का तनख्वाह भुगतान कराने, पटेल समस्त ग्राम बेड़मा द्वारा ग्राम बेड़मा में माड़िन नदी में पुलिया निर्माण करने, टिविकल नाग ग्राम केरलापाल द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने, सरपंच ग्राम पंचायत नेडनार द्वारा कार्य स्वीकृत प्रदान करने, गोविन्द घोषल प्राथमिक शाला पटेल पारा खरगांव द्वारा पूर्व पदस्थ संस्था में कार्यभार ग्रहण नही करने, बिंदेश्वरी भण्डारी शांतिनगर द्वारा नक्सल पीड़ित परिवार होने से शासकीय नौकरी प्रदाय करने, समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत बागडोंगरी द्वारा बीएसएनएल टॉवर लगवाने, समस्त दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी द्वारा दैनिक वेतन भोगी अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों की वेतन भुगतान के संबंध में, समस्त ग्रामवासी ग्राम मालिंगनार द्वारा खसरा नंबर 88 रकबा 2 हेक्टेयर खेल भूमि को स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल खेल मैदान के लिए, सरपंच ग्राम पंचायत कापसी द्वारा ग्राम पंचायत कापसी के पूर्ण नलजल योजना को प्रारंभ किये जाने, सरपंच ग्राम पंचायत सुलेंगा धौड़ाई द्वारा शिक्षिक को मूल पदस्थ शाला सुलेंगा को भेजने, समस्त ग्रामवासी ग्राम गोहड़ा द्वारा प्राथमिक शाला गोहड़ा में नया बाउड्रीवॉल एवं अधुरा शाला भवन निर्माण के संबंध में, रश्मि निराला नारायणपुर द्वारा पति के खिलाफ शिकायत, नाश्ता समुह जिला नारायणपुर द्वारा प्राथमिक शाला में नाश्ता देनेवाले तथा बनाने वाले समुह को अभी तक मानदेय अप्राप्त, सरपंच ग्राम पंचायत गढ़बेंगाल जनपद पंचायत नारायणपुर द्वारा मंगलराम गावड़े की अन्यत्र पदस्थपना, सरपंच ग्राम पंचायत पदमकोट सचिव को हटाने, समुह करलापाल द्वारा समुह का पैसा वापसी नहीं होने, सरपंच गाम पंचायत बोरावड़ द्वारा द्वितीय श्रेणी सड़क निर्माण प्रदाय करने, प्रमिला कचलाम ग्राम पंचायत गढ़बेंगाल द्वारा निर्माण कार्यो की प्रशासकीय फीस प्रदाय किये जाने, भुपेन्द्र पांडे कुम्हारपारा द्वारा पूर्णमासिक स्वीपर के पद पर वर्तमान संस्था व अन्य संस्था में नियुक्त करने, सीता वड्डे पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत चांदागांव द्वारा ग्राम पंचायत चादागांव से मिट्टी मुरूम रोड़ चांदागांव अतिरिक्त कक्ष चांदागांव सीसी रोड़ में किये गये कार्य के राशि भुगतान एवं ग्राम सभा 02 अक्टूबर 2024-25 में विशेष ग्रामसभा में जो राशि खर्चे किये गये को दिलाने, आसपास के एवं आत्मजन की ओर से मुख्य मार्ग स्थित डिवाइड की गलत निर्माण व्यवस्था से हो रही लगातार सड़क दुर्घटना के संबंध में एवं नारायणपुर एड़का बड़ेडोंगर फरसगांव मार्ग के चौड़ीकरण एवं उन्नयन करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जनदर्शन में 25 प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

मृतक के परिजनों के लिए चार-चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नारायणपुर। राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 के तहत् प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादूर पंचभाई द्वारा पीड़ित परिवार के परिजनों को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत दी गई है। जिले के ग्राम माहका निवासी, मृतक रायसिंह, पिता लखमू की मृत्यु 30 अप्रैल 2025 को आग से जलने तथा ग्राम भाटपाल निवासी मृतक सोमनाथ कोर्राम, पिता गडरु की मृत्यु 10 जूलाई 2024 को आकाशीय बिजली गिरने के कारण हुई थी। मृतक रायसिंह के निकटतम वारिस पत्नी सुकाय तथा मृतक सोमनाथ के निकटतम वारिस पत्नी बिन्दा कोर्राम हेतु 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान नायब तहसीलदार लिंक कोर्ट बेनूर तथा तहसीलदार नारायणपुर को राशि बैंक ड्राफ्ट या चेक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर कराने निर्देशित किया गया हैं।

अंजुमन इस्लामिया कमेटी, कोंडागांव के मुतवल्ली पद के लिएँ चुनाव संपन्न

कोण्डागांव। अंजुमन इस्लामिया कमेटी, कोंडागांव के मुतवल्ली पद के लिए आज सोमवार को सामुदायिक भवन कोंडागांव में शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव की प्रक्रिया अजय कुमार उरांव, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोंडागांव के अध्यक्षता में तथा नियंत्रण अधिकारी नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह व गठित निर्वाचन समिति की देखरेख में संपन्न हुई। मुतवल्ली पद हेतु दो प्रत्याशी मैदान में थे इरशाद खान (चुनाव चिन्ह टेनिस बल्ला व गेंद) तथा सैय्यद सफीक (चुनाव चिन्ह फुटबॉल खिलाड़ी)। कुल 545 मतदाताओं में से 435 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो कुल मतदाताओं का लगभग 79.80: मतदान प्रतिशत रहा।

किय इसमें विधि मान्य मत 431 और 4 मत खारिज गए - मतगणना उपरांत परिणाम घोषित किया गया जिसमें सैयद शफीक को 218 मत प्राप्त हुए और उनके प्रतिद्वंदी इरशाद खान को 213 मत प्राप्त हुए । सैयद शफीक ने कट्टर मुकाबले में इरशाद खान को 05 मतों से परास्त कर विजय प्राप्त की। निर्वाचन परिणाम की औपचारिक घोषणा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कोंडागांव द्वारा की गई तथा विजयी प्रत्याशी को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। चुनाव की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी रही। पुलिस प्रशासन, नगरपालिका, स्वास्थ्य विभाग तथा समाज कल्याण विभाग का सराहनीय सहयोग रहा। मतदान केंद्र पर चुनाव समिति के सदस्य मतदाताओं को सुविधाकेंद्र से मतदाता पर्ची उपलब्ध करा रहे थे। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय रहा कि दिव्यांग मतदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। निर्वाचन समिति के समन्वयक बी. ए. खान (सेवानिवृत्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी) ने बताया कि मतदान प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्री में महामाया मंदिर में चाकूबाजी करने वाला आरोपी पकड़ाया

बिलासपुर। शारदीय नवरात्रि में सप्तमी के दिन रतनपुर स्थित महामाया मंदिर में चाकू से हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी को रतनपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में घायल व्यक्ति द्वारा आरोपी को ना पहचान पाने की वजह से आरोपी अबतक पुलिस के गिरफ्त से बाहर था जिसे ,मुखबिरों से सूचना प्राप्त कर पकड़ा गया तथा आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू को जप्त किया गया। बता दें कि हमले मे घायल नवीन गुप्ता ने थाना रतनपुर मे एफआईआर दर्ज कराया था कि दिनांक 30.09.2025 की देर रात वह महामाया मंदिर कलश भवन के उपर छत में ड्यूटी में था, उसी समय एक आरोपी बिलजी तार के किनारे बैठा था। जिसे वहाँ बैठने मना करने पर आरोपी द्वारा तुम लोग मना करने वाले कौन होते हो बोलते हुए हत्या करने की नीयत से चाकू से नवीन गुप्ता नामक के पेट में मार दिया। रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध अपराध धारा 109 भा.न्या.स का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं अपराध की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिससे हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराध को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी कि पतासाजी के दौरान मुखबिर सूचना पर रितिक उर्फ रितेश सूर्यवंशी को उसके घर से घेराबंदी कर पकड़ा गया और उससे पूछताछ करने पर आरोपी ने आरोप स्वीकार किया। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया,उससे घटना में प्रयुक्त चाकू एवं घटना के समय पहना कपडा को जप्त किया गया । प्रकरण में 25, 27 आर्म्स एक्ट भी जोड़ा गया है।

सिम्स अस्पताल में डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाला आरोपी पकड़ाया

बिलासपुर। बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में नशे की हालत में चिकित्सा कर्मियों के साथ गाली-गलौज, तोड़फोड़ एवं मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को बिलासपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। बता दें कि दिनांक 05.10.2025 की रात लगभग 01:45 बजे सिम्स अस्पताल के ट्रायेज वार्ड में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर डॉ. आशी जैन, डॉ. अविनाश कुमार,डॉ. अमन खेतान तैनात थे, उसी समय नशे की हालत में अभय सिंह ठाकुर अपने दो साथियों के साथ वार्ड में पहुँचा और बिना कारण डॉक्टरों एवं चिकित्सा स्टॉफ से उन्मादी व आक्रामक व्यवहार करते हुए गाली-गलौज करने लगा, चिकित्सा उपकरणों एवं वार्ड में रखे सामान को तोड़फोड़ किया, डॉक्टरों को धक्का-मुक्की कर मारपीट की। वारदात की वीडियो बना रहे डॉक्टर का मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक कर तोड़ दिया, जान से मारने की धमकी देकर अस्पताल में दहशत का माहौल निर्मित किया। मामले की शिकायत के बाद सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी अभय सिंह ठाकुर, पिता ओम सिंह ठाकुर, उम्र 25 वर्ष, निवासी बंधवापारा, सरकण्डा, आकाश सिंह ठाकुर उर्फ प्रकाश, पिता घनश्याम सिंह ठाकुर, उम्र 28 वर्ष, निवासी तिलक नगर, बिलासपुर तथा दोनेश्वर सिंह ठाकुर उर्फ रिक्की, पिता घनश्याम सिंह ठाकुर, उम्र 31 वर्ष, निवासी तिलक नगर, बिलासपुर के खिलाफ धारा — 296, 351(2), 324(2), 3(5), 132 बीएनएस के साथ ही छत्तीसगढ़ चिकित्सा सेवक तथा चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा एवं संपत्ति क्षति निवारण) संशोधन अधिनियम 2016 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीगण की पता तलाश कर बंधवापारा (इमलीभाठा) एवं तिलक नगर क्षेत्र से घेराबंदी कर आरोपियों गिरफ्तारी की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अस्पताल में तोड़फोड़ व मारपीट की घटना स्वीकार की जिसके बाद उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

मारे गए नक्सली के बेटे ने हाईकोर्ट में जांच की मांग की कोर्ट ने मांगी पोस्टमार्टम रिपोट

बिलासपुर। अबूझमाड़ (नारायणपुर) में 23 सितंबर को हुए कथित फर्जी एनकाउंटर मामले में मृतक माओवादी कमांडर रामचंद्र रेड्डी के बेटे ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में दावा किया गया है कि उनके पिता की मौत एनकाउंटर में नहीं, बल्कि पुलिस हिरासत में हुई थी। मामले की सुनवाई आज हाईकोर्ट में हुई, जिसमें कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है और मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता की मांग है कि पूरे मामले की जांच राज्य से बाहर के किसी स्वतंत्र एजेंसी या अधिकारी से कराई जाए। याचिका में यह भी उल्लेख है कि मृतक पर नक्सली गतिविधियों में शामिल होने के आरोप जरूर थे, लेकिन उसे एनकाउंटर का रूप देकर मारा गया। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में भी हो चुकी है, जहां कोर्ट ने छत्तीसगढ़ पुलिस को निर्देश दिया था कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले में निर्णय नहीं लेता, तब तक रामचंद्र रेड्डी के शव को न दफनाया जाए और न ही अंतिम संस्कार किया जाए। बता दें कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने 22 सितंबर को नक्सल विरोधी अभियान के तहत रामचंद्र रेड्डी और एक अन्य नक्सली कादरी सत्यनारायण रेड्डी को मुठभेड़ में मार गिराने की बात कही थी। राज्य सरकार ने रामचंद्र रेड्डी को एक वांछित माओवादी कमांडर बताया था, जिस पर सात राज्यों में करीब दो करोड़ का इनाम घोषित था।

खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने किया जिले का सघन दौरा

खाद्यान्न वितरण शुरू नहीं करने पर राशन दुकान निलंबित

- आयोग की कॉल सेंटर का नंबर हर राशन दुकान में लिखाने के निर्देश
- स्कूली बच्चों को चावल के साथ पर्याप्त मात्रा में दें दाल और सब्जी

बिलासपुर। राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा एवं सदस्य श्रीमत्ति ज्योति कश्यप, राजेन्द्र महिलांगे तथा सचिव राजीव जायसवाल के द्वारा आज बिलासपुर जिले के दौरे पर रहे। अध्यक्ष श्री शर्मा ने भ्रमण के बाद जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल की उपस्थिति में जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में खाद्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम के आयोग से सम्बंधित कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने समीक्षा बैठक में राज्य खाद्य आयोग का शिकायत कॉल सेन्टर नम्बर 18002333663 एवं 1967 का उचित मूल्य दुकानों, मध्यान्ह भोजन संचालित स्कूलों, छात्रावासों, आगंनबाड़ी केन्द्रों में प्रदर्शित कराने के निर्देश दिये गये। साथ ही फोर्टिफाईड चावल के लाभ एवं उपयोग की जानकारी के व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं इस बारे में प्रामाणिक जानकारी चस्पा कराने के निर्देश दिये गये। अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने समीक्षा बैठक के पूर्व भ्रमण के दौरान जिले के विकासखण्ड बिल्हा में स्थित पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास बिल्हा एवं प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास बिल्हा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास बिल्हा में गंभीर अव्यवस्था पायी गयी। छात्रावास में निवासरत् छात्रों हेतु मूलभूत सुविधाओं में

खामी पायी गई तथा छात्रावास के अधीक्षक प्रशांत धर दीवान के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग बिलासपुर को दिये गए। इसके बाद बिल्हा के ग्राम भैंसबोड स्थित आगंनबाडी केन्द्र का निरीक्षण किया ।आंगनबाड़ी केन्द्र में विद्युत कनेक्शन नहीं होना पाया गया, जिसकी तत्काल व्यवस्था करने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया गया। अध्यक्ष ने इसके बाद शहर के स्वामी आत्मानंद स्कूल चिंगराजपारा में मध्यान्ह भोजन से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया गया। स्कूल में संचालित मध्यान्ह भोजन के निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन प्रभारी शिक्षक एवं प्रधान पाठक को निर्देशित किया गया कि छात्र-छात्राओं के लिये बनाये जाने वाले दाल की मात्रा छात्रों की संख्या से कम पाया गया तथा निर्देश दिया गया कि शासन द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप प्रतिदिन दाल की मात्रा मध्यान्ह भोजन रसोईये को प्रदाय किया जावे एवं छात्रों को परोसा जावे। इसकी कड़ी निगरानी करने हेतु मध्यान्ह भोजन प्रभारी एवं प्रधान पाठक को निर्देशित किया गया। उन्होंने विकासखण्ड बिल्हा के ग्राम भैसबोड स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षक के दौरान उचित मूल्य दुकान भैसबोड़ के संचालक द्वारा अक्टूबर माह की खाद्यान्न के भण्डारण की प्राप्ति ई-पॉस मशीन में नहीं लिया जाना पाया गया, जिसके कारण माह अक्टूबर 2025 का वितरण आज दिनांक तक प्रारंभ नहीं हुआ था।

केंद्रीय जेल में मनाया जा रहा है रजत जयंती महोत्सव.........

बिलासपुर। केन्द्रीय जेल में छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 3 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज राजयोग भवन पुराना बस स्टैंड बिलासपुर के स्वाति दीदी एवं संतोष दीदी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि ईश्वर से आप कैसे जुड़ सकते है तथा आपने जो भी अपराध किया है, उसे आप भूल जाइये, पश्चाताप करते हुए नए जिंदगी की शुरुवात करे। जेल में रहते हुए भक्ति भावना से जुड़े और एक दुसरे से प्रेम से रहे।सवेरे 9.30 बजे मनोरोग विशेषज्ञ श्रीमती विभा बंजिरियार द्वारा आत्महत्या नियंत्रण एवं तनाव प्रबंधन के शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे कुल 60 बंदियों का चेकअप हुआ एवं सवेरे 11 बजे शहरी खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार कौशिक द्वारा नेत्र

शिविर का कार्यक्रम रखा गया जिसमे 135 बंदियों का चेकअप किया गया। दोपहर 1 बजे ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा पुरुष जेल में कार्यक्रम रखा गया। जिसमे 150 बंदी उपस्थित थे। वहां पर भी उन्होंने ईश्वर से जुड़ने का रास्ता बताया तथा बंदियों को सजा काटते हुए नए जीवन की शुरुवात करने के लिए किया। सभी कार्यक्रम में जेल अधीक्षक श्री खोमेश मंडावी, जेल चिकित्सक श्री चिरंजीव सर, प्रभारी उप जेल अधीक्षक श्रीमती कोकिला वर्मा, परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी श्री रामपाल सिंह कंवर, प्रभारी महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नामा अली, शिक्षक श्री हेमंत नामदेव, श्री धरम कोठारी, श्री मोहन मानिकपुरी, फार्मासिस्ट श्री प्रणव गर्ग एवं श्री भगत एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। 8 अक्टूबर को विधिक सहायता कार्यक्रम एवं रक्तदान शिविर एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के द्वारा जेल भ्रमण किया जाएगा तथा शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। 9 अक्टूबर को महिला प्रकोष्ट में रंगोली एवं पेंटिंग कार्यक्रम रखा गया है।

पटाखा दुकानों के लिए अग्निशमन अधिकारी ने जारी की एडवाइजरी

बिलासपुर। जिला अग्निशमन अधिकारी सह जिला सेनानी श्री दीपांकुर नाथ ने पटाखा दुकानदारों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने दीपावली पर्व के दौरान निर्मित स्थायी, अस्थायी संरचना एवं पण्डालों मे संचालित पटाखा दुकानो में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तथा अग्निशमन यंत्र को रखते हुए सावधानियों को अपनाना सुनिश्चित करने को कहा है। किसी भी तरह की चूक अथवा सुरक्षा का पालन नहीं किए जाने पर संबधित संचालक व दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होगें। जिला अग्निशमन अधिकारी श्री नाथ ने कहा कि पटाखा दुकान रिहायशी या फिर बाजार के पास नहीं खोले जायें। पटाखा दुकान का निर्माण किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे-कपड़ा, बांस, रस्सी, टेंट इत्यादि का न होकर, अज्वलनशील सामग्री से बने टिन (शेड) द्वारा निर्मित होना चाहिए तथा अग्निमंदक घोल से उपचारित किया होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी (साईड) पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप, गैस लैम्प एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित किया गया है। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होना चाहिए। विद्युत तारों में ज्वाइंट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट बेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह अपने आप बंद हो जाए। दुकाने ट्रांसफार्मर के पास न हो और उनके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाईन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 5 किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र होना चाहिए। इसकी मास्क क्षमता 6 फिट की होती है। प्रत्येक दुकान में 100 लीटर पानी दुकान के अंदर तथा 100 लीटर पानी दुकान के बाहर होना चाहिए। पटाखा दुकानों के सामने बाईक व कार की पार्किंग प्रतिबंधित होना चाहिये। अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस का फोन नम्बर दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए। अग्निशमन वाहन के मूवमेंट के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए। भारतीय मानक 8758:2013 का पालन करते हुये अस्थाई संरचना और पण्डाल का निर्माण किया जावे।

मृदा परीक्षण से सुधर रही है मिट्टी की सेहत,किसानों में बढ़ रही जागरूकता

बिलासपुर। जिले के किसान अब खेती के पूर्व मृदा परीक्षण करवाकर मिट्टी की सेहत जांच कर खेती कर रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य योजना से किसानों को अपनी मिट्टी की गुणवत्ता और उसकी जरूरतों के बारे में सटीक जानकारी मिलती है। उचित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने से उत्पादन लागत में कमी आती है और खेती की लागत कम होती है। मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है, जिससे फसल उत्पादकता बढ़ती है। मृदा परीक्षण को लेकर किसान अब जागरूक हो रहे है। रूचिपूर्वक एवं उत्साहित होकर मृदा परीक्षण करवा रहे है। सिफारिश मात्रा अनुसार उर्वरकों को उपयोग कर भूमि की सेहत में सुधार के साथ-साथ अपने उत्पादन में वृद्धि कर रहे है। सहायक मृदा परीक्षण अधिकारी ने बताया कि मृदा स्वास्थ्य योजना के तहत मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में लक्ष्य आधारित नमूनों के साथ-साथ कृषकों द्वारा स्वयं लाए गए मृदा नमूनों का भी विश्लेषण किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में 10,000 मृदा नमूनों के विभागीय लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 6,800 नमूनों एवं कृषकों द्वारा लाए गए 193 नमूनों का विश्लेषण किया गया है। साथ ही 4,608 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया जा चुका है। विश्लेषण कार्य सतत रूप से जारी है। मिट्टी परीक्षण की वैधता तीन वर्ष होती है। विगत दो वर्षों की भाँति इस वर्ष भी लगभग 600 कृषक उत्साहपूर्वक मृदा परीक्षण करवा रहे हैं। लक्ष्य आधारित मृदा नमूनों का संग्रहण विकासखण्डों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में कृषकों के खेतों से किया जाता है।

मध्यस्थता-राष्ट्र के लिए अभियान में छत्तीसगढ़ ने हासिल की बड़ी सफलता

बिलासपुर। न्यायिक प्रणाली में लंबित मामलों की संख्या कम करने और जन-हितैषी न्याय को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और उच्चतम न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) ने दिनांक 1 जुलाई से 30 सितंबर, 2025 तक आयोजित 90-दिवसीय राष्ट्रव्यापी मध्यस्थता अभियान, ''मध्यस्थता-राष्ट्र के लिए'' का आज सफल समापन किया।''मध्यस्थता-राष्ट्र के लिए'' अभियान का उद्देश्य तालुका से लेकर उच्च न्यायालय तक सभी न्यायिक स्तरों पर लंबित विवादों में सस्ता, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान के लिए मध्यस्थता को प्रोत्साहित करना था। इस अभियान में वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली के मामले, विभाजन के मुकदमे, बेदखली के मामले, भूमि अधिग्रहण विवाद, मध्यस्थता के मामले, श्रम संबंधी विवाद और अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों सहित विभिन्न प्रकार के मामलों को शामिल किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य में इस अभियान में सहभागिता को प्रोत्साहित करने और मध्यस्थता के लाभों पर प्रकाश डालने के लिए जमीनी स्तर पर व्यापक अभियान चलाए गए। छत्तीसगढ़ में इस अभियान में उल्लेखनीय सहभागिता देखी गई और महत्वपूर्ण सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए। अभियान के दौरान कुल 11,144 लंबित मामलों को मध्यस्थता के लिए भेजा गया, जिसके परिणामस्वरूप 1,962 मामलों का सफल और अंतिम निपटारा हुआ। ये परिणाम इस तथ्य को पुष्ट करते हैं कि मध्यस्थता अब एक प्रभावी और विश्वसनीय न्याय वितरण तंत्र के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। मध्यस्थता के प्रति जन मानस का विश्वास, जागरूकता, पारदर्शिता और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के कारण अभियान को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। छत्तीसगढ़ में ''मध्यस्थता-राष्ट्र के लिए'' अभियान का सफल समापन मजबूत संस्थागत नेतृत्व और सभी के लिए सुलभ न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का एक सकारात्मक प्रमाण है। इस उपलब्धि के पीछे माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा-मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय सह मुख्य संरक्षक- छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) का विशिष्ट संरक्षण और दूरदर्शी मार्गदर्शन सर्वोपरि था। वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) के माध्यम से न्यायिक लंबित मामलों को कम करने पर उनके अटूट जोर ने अभियान की सक्रिय पहुँच और व्यापक जनभागीदारी को प्रेरित करने वाली आधारभूत शक्ति का काम किया। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष, माननीय श्री न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल और मध्यस्थता केंद्रों की निगरानी समिति के अध्यक्ष, माननीय श्री न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग ने भी इन प्रभावशाली परिणामों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे मध्यस्थता राज्य की न्याय प्रणाली के एक प्रभावी और विश्वसनीय घटक के रूप में स्थापित हुई।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियादें सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सारधा के सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत में स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र के जर्जर हो जाने के कारण नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र बनाये जाने की मांग की। कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में ग्राम बैमा निवासी दिव्यांग श्री लक्ष्मीनारायण ने शौचालय निर्माण के लिए सहायता दिलाने हेतु आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वे 90 प्रतिशत दिव्यांग है, उनके घर में शौचालय नहीं होने के कारण शौच के लिए उन्हें बाहर जाना पड़ता है। सीईओ जिला पंचायत को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। तखतपुर ब्लॉक के बुटेना निवासी लखराम साहू ने कलेक्टर से

मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि पूर्व में वे ग्राम खैराखुर्द में निवास करते थे जहां उन्हें हर महीने विकलांगता पेंशन मिलती थी। किसी कारणवश खैराखुर्द छोड़कर वे ग्राम बुटेना में निवासरत है। पिछले कई माह से वर्तमान गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए नाम जुड़वाने आवेदन दे चुके है परंतु अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है। कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ तखतपुर को उनका आवेदन सौंपते हुए इसका समाधान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बोदरी तहसील के ग्राम पोड़ी निवासी 74 वर्षीय वृद्ध श्री रामसहाय दिवाकर ने वृद्धा पेंशन राशि दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ बिल्हा को कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपा। गोकने नाला के स्टाप डेम में गेट लगवाने के लिए जनपद पंचायत तखतपुर के उपाध्यक्ष श्री राकेश तिवारी द्वारा मांग की गई है ताकि डेम में जलभराव हो सके इससे आसपास रहने वाले 20 से 25 गांव का जलस्तर बढ़ेगा। इसके साथ ही निस्तारी की समस्या भी दूर होगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं निगम आयुक्त श्री अमित कुमार ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। लगभग 62 लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 24 अक्टूबर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना तखतपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोछ के आंगनबाड़ी केंद्र क्र. 3 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 1 रिक्त पद एवं समडील के आंगनबाड़ी केंद्र क्र. 1 में सहायिका के 1 रिक्त पद पर 24 अक्टूबर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका निर्धारित प्रपत्र में 24 अक्टूबर तक कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर या पंजीकृत डाक द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर सकती है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना तखतपुर से संपर्क किया जा सकता है।

डाक विभाग करेगा सुकन्या चैलेंजर्स बैडमिंटन ट्रॉफी का आयोजन

बिलासपुर। डाक विभाग द्वारा 'सुकन्या चैलेंजर्स बैडमिंटन ट्रॉफी' का आयोजन 15 और 16 अक्टूबर को दुर्ग संभाग में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में संभाग के सभी जिलों के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहन देना और साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डाक विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता में केवल 13 वर्ष तक की आयु के बालक एवं बालिकाएं भाग ले सकेंगी। बालक प्रतिभागियों के लिए पीपीएफ खाता और पीओएसबी बचत खाता से लिंक आईपीपीबी खाता अनिवार्य किया गया है, जबकि बालिका प्रतिभागियों के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना खाता और उससे लिंक आईपीपीबी खाता होना आवश्यक है। प्रतियोगिता में मेंस सिंगल्स और वूमेन्स सिंगल्स मुकाबले खेले जाएंगे। प्रारंभिक मुकाबले 15 अंकों, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल 21 अंकों के होंगे। सभी मुकाबले बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे और खेल में ए एस 10 अथवा बाजार में उपलब्ध शटल कॉक का उपयोग किया जाएगा। प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है- 9 वर्ष तक के प्रतिभागी, 11 वर्ष तक के प्रतिभागी, एवं 13 वर्ष तक के प्रतिभागी। विजेताओं को नगद पुरस्कार, मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

रोग, दोष व क्लेश से मुक्ति के लिए तुलसी लगाएं

ज्योतिष के मतानुसार जिस घर में तुलसी के पौधे का आरोपण होता है वहां स्वंय श्री हरि का निवास होता है। वहां की वायु शुद्ध होगी और ऊपरी बाधाएं भी प्रभावहीन हो जाती है। इस प्रकार देखा जाए तो तुलसी की सत्ता मानव जीवन की पवित्रता और गरिमा को बढाने में सराहनीय सहयोगी की भूमिका निभाती है। धर्मग्रंथों के अनुसार जिस घर में तुलसी का पौधा होता है वहां रोग, दोष या क्लेश नहीं होता वहां हमेशा सुख-समृद्धि का वास होता है। सुबह स्नान के बाद घर के आंगन या देवालय में लगे तुलसी के पौधे की गंध, फूल, लाल वस्त्र अर्पित कर पूजा करें। फल अथवा मिष्ठान का भोग लगाएं। धूप व दीप जलाकर उसके नजदीक बैठकर तुलसी की ही माला से तुलसी गायत्री मंत्र का श्रद्धा से सुख की कामना से कम से कम 108 बार स्मरण कर अंत में तुलसी की पूजा करें -

ऊँ श्री तुलस्यै विद्महे।
विष्णु प्रियायै धीमहि।
तन्नो वृन्दा प्रचोदयात।।

पूजा व मंत्र जप में हुई त्रुटि की प्रार्थना आरती के बाद कर प्रसाद ग्रहण करें।

आप वास्तव में धार्मिक व्यक्ति हैं खुद अपनी पहचान कीजिए

मनुष्य जिसे अपने आचरण में लाता है। वह धर्म कहा जाता है। धर्म के नियमों का पालन करते हुए व्यक्ति मानव जीवन की पूर्ण गरिमा को देवत्व को पा लेता है। विश्व के सर्वप्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद में धर्म शब्द का प्रयोग संसार को चलाने वाले नियम के अर्थ में किया जाता है।

धर्म का एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण अर्थ आचार है। आचार अर्थात सदाचार। श्रेष्ठ गुण जैसे सत्य, अहिंसा, बह्मचर्य, दान, दया, धैर्य, क्षमा, इंद्रियों और मन का संयम, क्रोध न करना, चोरी न करना आदि अनेक गुण हैं, जिनका पालन करना धर्म कहा गया है। इससे जीवन में सुव्यवस्था, अनुशासन, पूर्णता और पवित्रता आती है। इसलिए यह अनिवार्य मानव धर्म कहे गए हैं। हमारे धर्मग्रंथों में सदाचार को प्रथम धर्म माना गया है। मोक्षोन्मुख एकांतिक दोनों के लिए ऋषियों ने सदाचार अनिवार्य बताया।

ऋग्वेद के अनुसार सत्कर्म करना इस परमात्मा की पूंजी है। एतरेय उपनिषद में एक सुंदर वर्णन मिलता है जिसमें बताया गया है, कि मानव देह की विविध इंद्रियों में देवताओं ने अपना निवास बनाया। अतएव मनुष्य को सदा सत्कर्म ही करने चाहिए। आचारहीन का समस्त ज्ञान और धार्मिक कर्मकांड बिलकुल व्यर्थ है। वरिष्ठ धर्मसूत्रम के अनुसार आचारहीन व्यक्ति को वेद भी पवित्र नहीं कर सकते। आचारहीन व्यक्ति का वेदों का समस्त ज्ञान, सभी यज्ञादि का अनुष्ठान वैसे ही व्यर्थ है, जैसे किसी अंधे व्यक्ति के लिए उसकी रूपसी पत्नी का अनुपम सौंदर्य।

धार्मिक कर्मकांड- पूजा पाठ मंत्र जप आदि कर लेने भर से कोई सच्चा धार्मिक नहीं बन जाता। कोई भले ही हजारों बार गायत्री मंत्र जप ले, लेकिन वह मन से पवित्र नहीं है, तो सब आडंबर है। पूजा उपासना की विविध विधियां तो धर्म का एक छोटा सा साधन भर है। ये धार्मिक आचार का एक अंगमात्र है। कालांतर में अधिकांश मनुष्य धार्मिक आचार की विधि मात्र को ही धर्म समझने लगे। वे धर्म के वास्तविक अर्थ को ही भूल गए। धर्म की इसी उपयोगिता के कारण स्वामी विवेकानंद ने कहा था, मानव समाज से धर्म पृथक कर लो तो क्या रह जाएगा। कुछ नहीं केवल पशुओं का समूह।

हमारे शरीर के अंगो पर तिल और उनका राज

ठोड़ी पर तिल - ठोड़ी पर तिल हो तो ऐसा जातक बहुत मिलनसार नहीं होता। उसके गिने-चुने ही घनिष्ठ होते हैं। वह आत्मिक संबंध हर किसी से नहीं रखता। ऐसे जातक अक्सर अंतर्मुखी ही होते हैं।

पेट पर तिल - पेट पर तिल हो तो व्यक्ति खाने का शौकीन होता है। ऐसे जातक को स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की बिक्री के स्थान पता होते हैं। यह अधिकतर मिष्ठान-प्रेमी होता है। ऐसे लोग अपने मित्रों को भी खूब खिलाने-पिलाने के शौकीन होते हैं। ये लोग छोटी-छोटी उपलब्धि पर भी पार्टी देते हैं।

भुजा पर तिल - दाहिनी भुजा का तिल जातक को प्रतिष्ठित व बुद्धिमान बनाता है। लोग उसका आदर करते हैं। वहीं बाईं भुजा पर तिल हो तो व्यक्ति झगड़ालु होता है। उसका निरादर हो सकता है। उसकी संगत बिगड़ सकती है।

कंधे पर तिल - दाएं कंधे पर तिल व्यक्ति को जिम्मेदार बनाता है। ऐसा व्यक्ति जो भी निर्णय ले लेता है उसे पूर्ण करके ही दम लेता है। वहीं बाएं कंधे पर तिल वाला जातक छोटी-छोटी बातों का क्रोध करने लगता है। वह प्रसन्नता के साथ अपने जिम्मेदारी नहीं निभाता है।

पैर का तिल - पैरों पर तिल हो तो जीवन में भटकाव रहता है। किन्तु यात्राओं का शौकीन होता है। दाएं पैर पर तिल हो तो यात्राएं सोद्देश्य और बाएं पैर पर हो तो निरुद्देश्य होती है। दाएं घुटने पर तिल होने से गृहस्थ जीवन सुखमय और बाएं पैर पर होने से दाम्पत्य जीवन दुखमय होता है।

गले का तिल - गले में तिल वाला जातक आरामतलब होता है। गले पर सामने की ओर तिल हो तो जातक के घर मित्रों का जमावड़ा लगा रहता है। मित्र सच्चे होते हैं। गले के पृष्ठ भाग पर होने पर जातक कर्मठ होता है।

गोकुल में क्यों रहते हैं श्री कृष्ण

गोकुल के दो अर्थ हैं- पहला तो वो जहां गैय्याओं का समूह हों, जहां गायें समूह में रहती हों। दूसरा इसका अगर आध्यात्मिक अर्थ देखें तो गौ यानि इन्द्रियां और कुल यानि समूह इन्द्रियों का समूह। मनुष्य भी इन्द्रियों का समूह ही है। गोकुल गोपियों का भी समूह है।

एक बार गोपियों ने श्री कृष्ण से पूछा कि आपका जन्म तो मथुरा में हुआ है फिर आप गोकुल में क्यों रहते हो?

कृष्ण ने सीधा सा जवाब दिया, मुझे मौज में रहने का शौक हैं। मैं मेरे भक्तों को सहजता से उपलब्ध होना चाहता हूं। मथुरा में तो मुझे महलों में रहना पड़ता। महलों की अपनी मर्यादाएं होती है न मैं किसी से आसानी से मिल सकता और न कोई मुझसे आसानी से मिल सकता। विष्णु धर्मोतर में कहा गया है भूख प्यास तथा गिरते पड़ते में जो श्री कृष्ण का नाम संकीर्तन करता है उस पर भगवान श्री कृष्ण प्रसन्न होते हैं। भगवदनाम में श्री कृष्ण को वशीभूत करने की कैसी अद्भुत शक्ति है। ऐसे भक्तों को श्री कृष्ण स्वंय कहते हैं - दूर देश में रहकर द्रोपदी ने चीरहरण के समय जो मुझे हे गोविन्द ! ऐसा कहकर जोर से पुकारा था, उसका वह ऋण बढ़ गया है और मेरे ह्रदय से अब तक उतर नहीं रहा है।

इसलिए आशीर्वाद का लाभ आपको नहीं मिलता है

आप जब भी कभी किसी के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हैं, तो आपके भीतर जितनी प्राणऊर्जा है और जिसे आशीर्वाद दे रहे हैं, उसमें कितनी ग्रहणशीलता है उसी आधार पर दूसरे का भला होता है।

लोग आशीर्वाद देते समय कहते हैं तुम्हारा भला हो और भला हो ही जाएगा, यह जरूरी नहीं है। अगर ऐसा होता तब तो दुनिया में कोई दुखी दरिद्र नहीं रहता। दरअसल आप जब भी कभी किसी के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हैं, तो आपके भीतर जितनी प्राणऊर्जा है और जिसे आशीर्वाद दे रहे हैं, उसमें कितनी ग्रहणशीलता है उसी आधार पर दूसरे का भला होता है। आशीर्वाद दे कर भक्तों का कष्ट दूर करने के दावों की असलियत जानने के लिए रामकृष्ण मिशन के संन्यासी स्वामी तेजोवलयानंद ने कुछ प्रकरणों का अध्ययन किया और पाया कि समस्याओं का हल कह देने भर से नहीं होता। उसके लिए आशीर्वाद देने वाले का तप तेज और लाभ उठाने वाले की इच्छाशक्ति भी जरूरी है। स्वामीजी के अनुसार इच्छाशक्ति जगाने में जप, भजन और योगासन से मदद मिलती है। भजन आसन आदि से मदद मिलती है पर आशीर्वाद के प्रभाव को असरदार बनाता है मंत्रजप। जप के दौरान उपयोग किए गए मंत्र की ध्वनि पूरे शरीर में प्रभाव उत्पन्न करती है।

इसका पहला प्रभाव मस्तिष्क में शीतलता और स्थिरता लाता। इससे न केवल शारीरिक लाभ मिलता है, बल्कि अध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। जप और उससे उत्पन्न हुई स्थिरता अपने से उच्च आध्यात्मिक स्थिति वाले व्यक्तियों, संतों और गुरुजनों की शुभाकांक्षा को ग्रहण करने लायक मनोभूमि बनाते हैं। शरीर और चित्त के परिष्कार के लिए अपनाए गए योगासनों का लाभ उन्हें सही ढंग से करने पर ही मिलता है। आसन, भजन और ध्यान आदि से चित्त निर्मल हो जाता है तो यह स्थिति बनती है कि किसी का आशीर्वाद ग्रहण किया जा सके। याद रहे 'चिरायु भव' कहने मात्र से आशीर्वाद पूरा नहीं हो जाता। आशीर्वाद से सुखपूर्वक जीने का संकल्प भी जाग रहा होता है। व्यक्ति के संकल्प को ऋषि या गुरु के आशीष पुष्ट करने से उसमें कार्य सिद्धि के प्रति आत्मविश्वास जागता है। कार्य को करने की प्रेरणा भी जगती है।

कैसे पाई जा सकती है कोई सिद्धि?

- धन की इच्छा है तो कमलगट्टे, वैजन्ती, स्फटिक व मूंगे की माला से लक्ष्मी देवी का जाप करना चाहिए।
- विद्या प्राप्त करने के लिए स्फटिक की माला अथवा रुद्राक्ष की माला से सरस्वती मंत्रों का जाप करें। - उत्तम व मन भावन वर प्राप्त करने के लिए रुद्राक्ष की माला से शिव मंत्रों का जाप करें।
- सुसंस्कारित व मन भावन पत्नी पाने के लिए स्फटिक की माला से शिव मंत्रों का जाप करें। - घर में सुख शांति का वातावरण बना रहे और उत्तम स्वास्थ्य के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करें।
- शत्रुओं का नाश करने के लिए बगला मुखी मंत्र का जाप हल्दी माला से करें।
- रुद्राक्ष की माला गले में धारण करने से ह्दय रोग और ब्लड पराशर नियंत्रित रहता है। - गुस्सेल जातक को वैजन्ती माला धारण करनी चाहिए।
- पुत्र प्राप्ति के लिए मोती की माला धारण करनी चाहिए।
- मानसिक और नवग्रह शांति के लिए नवरत्न की माला धारण करें।
- निसंतान महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए पुत्र जीवा की माला से मंत्र जाप करें।
- शरीर में ताजगी व स्फूर्ति का संचार करने के लिए सफ़ेद चन्दन की माला को धारण करें।
- मंगल ग्रह की शांति के लिए लाल चन्दन की माला धारण करें।
- शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए तुलसी की माला धारण करें।
- हनुमान जी की साधना के लिए मुंगे की माला से मंत्रों का जाप करें।
- देवी की आराधना लिए स्फटिक की माला से मंत्र जाप करने पर मंत्र शीघ्र सिद्ध हो जाते हैं।
- हकिक माला को धारण करने से भाग्य वृद्धि, सौभाग्य प्राप्ति, भुत प्रेत, बाधा, दुर्भाग्य और कई बुराइयों को नाश करने की विशेष शक्ति होती है।

महासमुंद में 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शानदार आगाज

खेल से जिंदगी में अनुशासन आता है : विधायक सिन्हा

महासमुंद। जिले में 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारम्भ विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मशाल जलाकर एवं ध्वजारोहरण के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर रंग बिरंगे जर्सी में खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने शपथ दिलाई। यहां शिक्षा विभाग, खेल विभाग एवं प्रतियोगिता से सम्बंधित अधिकारी एवं खेल प्रेमी जनता बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन 9 अक्टूबर को मिनी स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता का शुभारम्भ के पूर्व अतिथियों ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर हौसला अफजाई की। इस दौरान स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, स्काउट गाइड संघ के जिलाअध्यक्ष येतराम साहू, जिला हैण्डबाल संघ के अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि खिलाड़ी ही भविष्य के सफल इंसान बनेंगे। आप मैदान पर है कल किसी और बड़े स्थान में आपकी जगह होगी। उन्होंने कहा कि हार और जीत से ज्यादा आवश्यक मैदान में उतरकर खेलना है। ये आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाते है। आप सभी खेल भावना को बनाए रखते हुए पूरे जोश और उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में हिस्सा लें। अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने सह-खिलाड़ियों के साथ मिलकर एक सच्चे खिलाड़ी की तरह खेलें। खेल से जिंदगी में अनुशासन आता है। आज के खिलाड़ी भविष्य के अच्छे नागरिक बनकर देश सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और प्रतियोगिता से जुड़े से सभी अधिकारी-कर्मचारी, कोच को इस आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर विधायक सिन्हा ने कहा कि जिले को जल्दी ही नए हैंडबॉल ग्राउण्ड का सौगात मिलेगा। जिसमें फेंसिंग, लाईट एवं अन्य सभी सुविधाएं मौजूद रहेंगी। साथ ही उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से एक इंडोर स्टेडियम एवं एक ऑडोटोरियम का निर्माण किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने खिलाड़ियों प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल हमारी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन है, बल्कि यह हमारे मानसिक और नैतिक विकास का भी प्रतीक है। खेल जीवन में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना जैसे महत्वपूर्ण गुणों को विकसित करने में सहायक होते हैं, जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मददगार होते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेना, चाहे परिणाम जो भी हो, सबसे महत्वपूर्ण आत्मविश्वास होता है। जिला हैण्डबाल संघ के अध्यक्ष श्री प्रदीप चंद्राकर ने कहा कि खेलों में हार-जीत से बढ़कर हमारे अंदर की क्षमता, मेहनत और आत्मविश्वास मायने रखता है। जो खिलाड़ी मैदान में उतरते हैं, वे पहले से ही विजेता होते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने डर और कमजोरियों पर विजय प्राप्त की होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी अपनी प्रतिभा और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और राज्य को गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने कहा कि विधायक एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि खेल केवल जीत या हार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास और टीम भावना का पाठ पढ़ाता है। मैदान में खेलते हुए खिलाड़ी न केवल अपने जिले या संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि अपने राज्य और राष्ट्र की प्रतिष्ठा को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाते हैं। खेलों में आपकी लगन, संघर्षशीलता और निष्ठा ही आने वाले समय में ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में परचम लहराएगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। उनके द्वारा शिक्षा विभाग को आवश्यक सुविधाएं मुहैय्या कराने के निर्देश दिए। प्रतियोगिता के शुभारम्भ अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पवन पटेल, कल्पना सूर्यवंशी, राजू चंद्राकर, संदीप घोष, महेन्द्र जैन, संदीप दीवान, महेन्द्र सिक्का, रमेश साहू, प्रकाश शर्मा, पीयूष साहू, माखन पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, खेल से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी और खेल प्रेमी जन मौजूद थे। शुभारम्भ मैच रायपुर एवं बस्तर के मध्य हैंडबॉल के मैच से प्रारम्भ हुआ। विदित है कि 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कबड्डी 19 वर्ष बालक/बालिका, हैण्डबाल में 17 वर्ष बालक एवं रग्बी में 17 वर्ष बालक/बालिका शामिल होंगे। प्रतियोगिता में 05 खेल जोन बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर, सरगुजा से 64-64 कुल 320 खिलाड़ी एवं 80 आफिसियल्स सम्मिलित हांगे। कबड्डी प्रतियोगिता में 6 अक्टूबर को दोपहर 03:00 बजे 19 वर्ष बालक/बालिका रायपुर एवं दुर्ग के मध्य मैच होगा। इसी प्रकार 7 अक्टूबर को प्रात 8 बजे 19 वर्ष बालक/बालिका बिलासपुर एवं बस्तर, दुर्ग एवं सरगुजा तथा रायपुर एवं बस्तर के मध्य मैच देखने को मिलेगा। दोपहर 3 बजे बिलासपुर एवं दुर्ग, बस्तर एवं सरगुजा तथा रायपुर एवं सरगुजा के बीच मैच रहेगा। 8 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से 19 वर्ष बालक/बालिका सरगुजा एवं बिलासपुर, बिलासपुर एवं रायपुर तथा बस्तर एवं दुर्ग के मध्य कबडडी का मैच होगा। इसी तरह रग्बी प्रतियोगिता में 17 वर्ष बालक/बालिका शामिल होंगे।

जिसमें 6 अक्टूबर को शाम 4 बजे सरगुजा एवं रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग के मध्य मैच खेला जाएगा। 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक सरगुजा एवं बिलासपुर, बस्तर एवं रायपुर के मध्य तथा शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक रायपुर एवं दुर्ग तथा बिलासपुर एवं बस्तर के बीच मैच होगा। 8 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक बस्तर एवं सरगुजा तथा सरगुजा एवं दुर्ग के मध्य व शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक रायपुर एवं बिलासपुर तथा दुर्ग एवं बस्तर के मध्य रग्बी खेल का आयोजन होगा। अंतिम मैच 8 अक्टूबर को शाम 6 बजे सेमी फाइनल विजेता टीमों के मध्य होगी।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक-01 अंतर्गत टेनिस ग्राउण्ड, पुष्पक नगर में अवैध प्लाटिंग सहित फरीद नगर लिम्हा तालाब का आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निरीक्षण किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत द्वारा वार्ड क्रमांक-02 स्मृति नगर टेनिस ग्राउण्ड का निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने निर्देशित किया गया है। पुष्पक नगर होटल इंपीरियल के पीछे भू-माफियाओं द्वारा अवैध प्लाटिंग कर आम नागरिको को विक्रय किया गया है, नागरिको द्वारा नगर निगम भिलाई से बिना भवन अनुज्ञा लिए मकान निर्माण कर लिया गया है, उक्त स्थल का अवलोकन कर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। वार्ड क्रमांक-11 फरीद नगर स्थित लिम्हा तालाब का निरीक्षण कर तालाब के जल कुम्भी की साफ-सफाई कराने निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, बसंत साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, क्रिस्टोफर पाल उपस्थित रहे।

इंदिरा मार्केट व स्टेशन रोड में महापौर ने व्यापारियों से की मुलाकात, समझाए सुधारों के लाभ

GST 2.0 से स्थानीय व्यापार को मिलेगी नई ऊर्जा : महापौर अलका बाघमार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र इंदिरा मार्केट और स्टेशन रोड में महापौर अलका बाघमार ने जन प्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारीयो की टीम ने दुकानों का दौरा कर स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू किए गए नए जीएसटी रिफॉर्म (GST 2.0) के प्रभाव, लाभ और इसके स्थानीय व्यापार पर सकारात्मक असर को लेकर संवाद किया। महापौर बाघमार ने व्यापारियों को समझाया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए GST 2.0 सुधार का उद्देश्य व्यापार को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दैनिक उपयोग की वस्तुओं, घरेलू उपभोग सामग्री, और छोटे व्यवसायिक उत्पादों पर टैक्स दरों में की गई कटौती से उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी। इससे न केवल वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी बल्कि बिक्री और उपभोग में वृद्धि भी होगी। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी 2.0 में व्यापार पंजीकरण, रिटर्न फाइलिंग और टैक्स भुगतान की प्रक्रिया को डिजिटल और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया गया है, जिससे छोटे व मध्यम वर्ग के व्यापारी बिना किसी जटिलता के अपना व्यापार सुचारू रूप से चला सकेंगे। इन सुधारों से व्यापारिक माहौल में विश्वास, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा को बल मिलेगा। इस दौरान कई व्यापारियों ने भी अपने विचार रखे। इंदिरा मार्केट के दुकानदारों ने बताया कि नए सुधारों से उन्हें टैक्स की गणना, बिलिंग और माल की आवाजाही में काफी सुविधा और स्पष्टता महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे छोटे व्यवसायों को सशक्तिकरण मिलेगा और नकद लेनदेन पर निर्भरता घटेगी। स्टेशन रोड के व्यापारी संघ के सदस्यों ने महापौर का आभार जताते हुए कहा कि निगम स्तर से ऐसा संवाद व्यापारियों के लिए प्रेरणादायक है। इससे सरकार की नीतियों के प्रति भरोसा बढ़ता है और निगम प्रशासन एवं व्यापार समुदाय के बीच सकारात्मक तालमेल बनता है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि दुर्ग जैसे शहरों में छोटे और मध्यम व्यापार ही स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। GST 2.0 के रूप में सरकार ने इन्हें नई दिशा दी है। आने वाले समय में इन सुधारों से न केवल शहर का व्यापार बढ़ेगा बल्कि रोजगार सृजन और आर्थिक प्रवाह में भी तेजी आएगी। कार्यक्रम के दौरान सभापति श्याम शर्मा,पार्षद विधावर्ती सिंह, साजन जोसफ, लोकेश्वरी ठाकुर, आशीष चंद्राकर, मनोज सोनी, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, जिला महामंत्री विनोद अरोरा, मंडल अध्यक्ष हरीश चौहान, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन मीना सिंह तथा बड़ी संख्या में दुकानदार उपस्थित रहे। माहौल उत्साह और विश्वास से भरा दिखाई दिया। व्यापारियों ने भी महापौर को आश्वासन दिया कि वे ईमानदार करदाता बनकर शहर के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

दुर्ग में दिल दहला देने वाली दुर्घटना , ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से मां और 2 साल की बेटी की मौत

हादसे में हँसता खेलता परिवार तबाह

दुर्ग। दुर्ग में मंगलवार को दिल दहला देने वाली दुर्घटना हो गई.एक सड़क हादसे में हँसता खेलता परिवार तबाह हो गया ।

दोपहर 12 बजे मलमा से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से मां और 2 साल की बेटी की मौत हो गई। अभी मासूम का जन्मदिन मनाए एक सप्ताह भी नहीं बीता था और हादसे में मौत हो गई. इतना बड़ा हादसा अपनी आंखों के सामने देख पिता बदहवास हो गया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ,स्कूटी सवार विकास साहू उम्र 30 साल अपनी पत्नी और बेटी के साथ किसी काम से बाहर निकला था। इसी दौरान गया नगर दयानंद आर्य स्कूल के पास ट्रैक्टर को देख उसने अचानक ब्रेक मारी। ब्रेक मारते ही पीछे बैठी पत्नी और बेटी दोनों नीचे गिर गई। और ट्रैक्टर ट्रॉली के पिछले पहिए की चपेट में आ गई।

ट्रैक्टर ट्रॉली दोनों को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। हादसे में घयल मां-बेटी को फौरन पास के निजी अस्पताल लाया गया, लेकिन अत्यधिक खून बहने से उनकी मौत गई।

बताया जाता है कि, मिट्टी भरकर जा रहा ट्रैक्टर सीजी 07 डी 3977 और ट्रॉली सीजी 07 एन 4992 भारतीय दयानंद आर्य स्कूल के पास पहुंचा था। उसी समय विकास साहू सामने से आ रहे ट्रैक्टर को देखकर अपनी स्कूटी को साइड में रोकने की कोशिश की।जिससे स्कूटी के झटके से 25 वर्षीय पत्नी और 2 साल की बेटी स्कूटी से नीचे गिर पड़ीं और सीधे ट्रैक्टर ट्रॉली के पिछले पहियों की चपेट में आ गईं। जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया। तो डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

फिलहाल, पुलिस ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ट्रैक्टर मालिक की भी जानकारी निकाली जा रही है। दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भी भिजवा दिया गया है।

महतारी वंदन की 20वीं किस्तः केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त प्रदेश सरकार ने जारी कर दी है। महिलाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से खाते में 1-1 हजार रूपए भेजा गया है। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मोदी की गारंटी और विष्णुदेव के सुशासन से जनता की गारंटी पूरी हो रही है। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं की खुशी ही हमारा संतोष है। छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आज खुशी का मौका रहा। नवरात्रि के समापन के साथ मातृशक्ति को सम्मान करते हुए प्रदेश की सरकार ने महतारी वंदन योजना के पैसे (शनिवार) को उनके खाते में ट्रांसफर किए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी के दर्शन करने के बाद योजना के हितग्राही महिलाओं के खाते में पैसे ट्रांसफर किये। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिल चुकी 20 किश्त की राशि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और सभी केबिनेट मंत्री का आभार जताया है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि महिलाओं का सम्मान केन्द्र/प्रदेश की सरकार ने ही किया है। जन-धन खाता हो, उज्जवला योजना से सिलेंडर, महिला के नाम राशनकार्ड और महतारी योजना सभी जगह महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने मोदी सरकार ने चिंता की है। 3100 में धान खरीदी कर किसानों को उनके फसल का उचित दाम दिलाये। हर महीने खाते में 1000? आने से महिलाओं को अब छोटी-छोटी जरूरत के लिए पैसे मिल जा रहे है। प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर प्रदेश सरकार सभी क्षेत्रों में काम कर रही है, जो महिलाएं इस योजना के पात्र हितग्राही हैं, उन्हें हर महीने महतारी वंदना योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। बीते वर्ष से शुरू हुई योजना के तहत अब तक 20 किस्त सरकार द्वारा महिलाओं के बैंक खाते में हस्तांतरित की गई।

शासकीय विभागों से भूमि आबंटन हेतु प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निपटाएंः कलेक्टर सिंह

कलेक्टर ने राजस्व संबंधी प्रकरणों की ली समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई, त्रुटि सुधार, अभिलेख शुद्धता, कृषक पंजीयन, नक्शा बटांकन, ई-डिस्ट्रिक्ट लोक सेवा गारंटी प्रकरण, गिरदावरी, धान खरीदी, भू-आबंटन, नजूल पट्टों संबंधित प्रकरण, भू-अर्जन संबंधी प्रकरण, लोक आयोग प्रकरण इत्यादि की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा बाढ़ आपदा प्रबंधन, सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के निराकरण, भौतिक सत्यापन एप्प, जाति प्रमाण पत्र एवं दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक कल्याण योजना से संबंधित कार्यों के स्थिति की विस्तृत जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में राजस्व संबंधी विभिन्न कार्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर सिंह ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा बटांकन, डायवर्सन, और राजस्व वसूली की स्थिति की जानकारी ली और इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीमांकन प्रतिवेदन की तिथि निर्धारित कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने और नक्शा बटांकन कार्यों के लिए टीम बनाकर तत्परता से कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर सिंह ने अभिलेख शुद्धता के संबंध में डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र को एक सप्ताह के भीतर अपडेट करने कहा। उन्होंने सभी पात्र कृषकों का पंजीयन प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर अभिजीत ने कहा कि कृषक पंजीयन, कृषि क्षेत्र के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक सीधे पहुँच सकेगा। धान खरीदी की तैयारी को लेकर भी कलेक्टर ने विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिले की 20 नयी समितियों को राजस्व रिकार्ड में अपडेट किया जाए। ग्राम पंचायतों में किसानों को डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी से संबंधित जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराकर सभी किसानों को सूचित करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा प्राप्त आपत्तियों की सूची संबंधित अधिकारी को भेजना सुनिश्चित करें, जिससे समय रहते आवश्यक संशोधन किया जा सके। इसके अतिरिक्त परिवर्तित भू-भाटक वसूली की प्रक्रिया को भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर सिंह ने भूमि-आबंटन के प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा शासकीय विभागों से भूमि आबंटन हेतु प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निपटाएं। भू-आबंटन प्रकरणों की जानकारी एकत्र कर चिन्हांकित स्थलों का निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर ने नक्शा बटांकन के कार्यों के सबंध में तहसीलदारों को निर्देशित किया कि मैदानी क्षेत्रों का निरीक्षण कर जमीन की वस्तुस्थिति जांच की जाए एवं नक्शा बटांकन किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शासकीय भूमि से कब्जा हटाने के भी निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों एवं मुआवजा भुगतान, भारतमाला परियोजना, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए, जिससे प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करने में किसी भी प्रकार का विलंब न हो। कलेक्टर सिंह ने जाति प्रमाण पत्र के लंबित प्रकरणों को गंभीरता के साथ शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की सूची अद्यतन करने, अपात्र लोगों को लाभ न मिले इस पर विशेष ध्यान देने कहा गया।

पंचायतों में शुरू हुई ग्राम सभा, डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी शुरू हुआ

दुर्ग। दुर्ग जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 2 अक्टूबर से विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन शुरू हो गया है। यह 14 अक्टूबर तक चलेगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली इन सभाओं में किसानों को डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही गिरदावरी का वाचन और दावा-आपत्ति प्रक्रिया शुरू हो गई। विशेष ग्राम सभाओं में किसानों के पंजीकृत धान के रकबे का पठन किया जाएगा। इसके साथ ही सूचना पंचायत भवन पर चस्पा की जाएगी। एग्रीस्टेक पंजीयन और जमीनों के फॉर्म आईडी से संबंधित विवरण भी सार्वजनिक किए जाएंगे। यदि किसी किसान को आपत्ति होगी, तो उसकी जानकारी ऐप या भौतिक सत्यापन के माध्यम से अपडेट की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि इस पहल से किसानों को अपनी फसल के रकबे की सटीक जानकारी समय पर मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com